केन्द्रीय विद्यालय संगठन

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 02, आ.व.नि.
शाहजहाँपुर,प्रथम पाली

P M SHRI KENDRIYA VIDYALAYA NO. 2 (OCF),
SHAHJAHANPUR (FIRST SHIFT)

नवांकुर

ई- पत्रिका

सत्र – 2025-26





Ms. Prachi Pandey, IAS
(COMMISSIONER)



Mrs. Sona Seth
(DEPUTY COMMISSIONER)



MR. ANOOP AWASTHI
(ASSISTANT COMMISSIONER)



MR. RAJESH KUMAR VERMA
Chairman



MR. PARVEZ HUSAIN
Principal



MR. MUNENDRA PAL
Vice Principal



सोना सेठ
उपायुक्त
Sona Seth
Deputy Commissioner

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

Kendriya Vidyalaya Sangathan

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)

(Under Ministry of Education, Govt. of India)

क्षेत्रीय कार्यालय, सेक्टर-जे, अलीगंज लखनऊ - 226024

Regional Office, Sector-J, Aliganj Lucknow - 226024

☎ दूरभाष : 0522-2745386, फैक्स: 2745536

Website: https://rolucknow.kvs.gov.in/

E-mail add.: dcrolucknow@gmail.com

पत्रांक-26350(एम20)/2025-26/के.वि.सं./लखनऊ संभाग/ दिनांक: 12 सितम्बर, 2025

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि केन्द्रीय विद्यालय, क्र.-2 ओ.सी.एफ. शाहजहाँपुर सत्र 2024–25 की ई-पत्रिका "नवांकुर" का प्रकाशन करने जा रहा है।

विद्यालय पत्रिका न केवल विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता, साहित्यिक अभिरुचि एवं कलात्मक प्रतिभा का प्रतिबिंब होती है, अपितु यह विद्यालय की शैक्षिक, सह-शैक्षिक गतिविधियों और उपलब्धियों का जीवंत दस्तावेज भी प्रस्तुत करती है। यह शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु किए गए प्रयासों की झलक भी प्रदान करती है।

विद्यार्थी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर एवं उज्ज्वल भविष्य के निर्माता हैं। केन्द्रीय विद्यालय संगठन का लक्ष्य सदैव यह रहा है कि प्रत्येक विद्यार्थी की प्रतिभा, रुचि एवं क्षमतानुसार उसे उत्तम शिक्षा एवं अवसर प्रदान किए जाएँ, जिससे उनका चतुर्दिक विकास सुनिश्चित हो सके।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका विद्यार्थियों की मौलिक सोच, रचनात्मक अभिव्यक्ति और नवाचार को एक सशक्त मंच प्रदान करेगी तथा पाठकों के लिए ज्ञानवर्धक एवं मननीय सामग्री का स्रोत बनेगी।

इस अवसर पर मैं पत्रिका से जुड़े सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों एवं विद्यालय के प्राचार्य महोदय को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

सोना सेठ

(सोना सेठ)
उपायुक्त



Blessing Message.....

राजेश कुमार वर्मा, भा.आ.नि.से.
मुख्य महाप्रबंधक
RAJESH KUMAR VERMA, IOFS
General Manager

आयुध वस्त्र निर्माणी
ORDNANCE CLOTHING FACTORY
ट्रूप कम्फर्ट्स लिमिटेड की इकाई
A UNIT OF TROOP COMFORTS LIMITED
भारत सरकार का उपक्रम
GOVERNMENT OF INDIA ENTERPRISE
रक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF DEFENCE
शाहजहाँपुर-242001
SHAHJAHANPUR-242001

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2, ऑर्डनेन्स क्लोदिंग फैक्ट्री, शाहजहाँपुर के अध्यक्ष के रूप में सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थान के बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखना मेरे लिए सम्मान और खुशी की बात है। जैसा कि विदित है, अब ज्ञान अर्जित करने के लिये समय और स्थान की बाध्यता नहीं है। यह कक्षाओं और विद्यालय परिसरों से परे विस्तारित हुआ है। आज की दुनिया में, आप कितना जानते हैं इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, बल्कि अधिगृहीत ज्ञान का उपयोग अधिक महत्वपूर्ण है।

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2 शाहजहाँपुर की पत्रिका **"नवांकुर"** प्रकाशित की जा रही है। यह पत्रिका छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों की रचनात्मकता का भी प्रतिबिंब है। यह विद्यालय में संचालित होने वाली विभिन्न गतिविधियों को व्यक्त करने का एक माध्यम है। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय नंबर 2 की पत्रिका **"नवांकुर"** निश्चित रूप से विद्यालय की सर्वांगीण गतिविधियों और छात्रों और शिक्षकों द्वारा एक साथ की गई उपलब्धियों का प्रतिनिधित्व करती है। मुझे विश्वास है कि इसकी रोचक एवं ज्ञानवर्धक विषयवस्तु समस्त पाठकों के लिए उपयोगी साबित होगी।

विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकों और छात्रों को उनके समर्पण, निष्ठा और दृढ़ता के लिए बधाई, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि विद्यालय आने वाले समय में और अधिक गौरवशाली ऊंचाइयों को छुए। मैं कर्मचारियों और छात्रों को उनके सभी भावी प्रयासों के लिए अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ।

(राजेश कुमार वर्मा)
मुख्य महाप्रबंधक
अध्यक्ष / KV-2



प्रिय पाठकों,

हमारी विद्यालय पत्रिका "नवांकुर" में आप सभी का हृदय से स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। इस पत्रिका के प्रत्येक पृष्ठ में निहित रचनाएँ हमें आत्मचिंतन, उत्सव और प्रेरणा की एक सुंदर यात्रा पर ले जाती हैं।

यह शैक्षणिक वर्ष हमारे सामूहिक संकल्प और दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रमाण रहा है। हमारे केन्द्रीय विद्यालय परिवार ने न केवल चुनौतियों का सामना किया है, बल्कि नई शिक्षण पद्धतियों को अपनाते हुए शिक्षा में नवीनता का मार्ग प्रशस्त किया है।

इस अंक में हमारे विद्यार्थियों की शैक्षिक, खेलकूद, कला और अन्य विविध क्षेत्रों में उपलब्धियाँ संकलित हैं। प्रत्येक सफलता हमारे विद्यार्थियों की मेहनत, समर्पण और उत्साह का परिणाम है, जिसे हमारे सम्मानित शिक्षकों के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन ने नई दिशा दी है।

इन उपलब्धियों का उत्सव मनाते हुए हमें उन मूल्यों को भी याद रखना चाहिए जो हमें केन्द्रीय विद्यालय के रूप में परिभाषित करते हैं – सत्यनिष्ठा, सहानुभूति और उत्कृष्टता। हमें निरंतर शैक्षिक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहना है और एक-दूसरे के प्रति संवेदनशीलता एवं समझ को पोषित करना है।

मैं हमारे परिश्रमी शिक्षकों, सहयोगी अभिभावकों और उत्साही विद्यार्थियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके निरंतर प्रयासों से हमारा विद्यालय नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर रहा है। आइए, हम सब मिलकर आजीवन सीखने और प्रगति की संस्कृति को सुदृढ़ करें और नई सफलताओं की ओर बढ़ें।

सादर,

परवेज़ हुसैन
प्राचार्य



Message from the Vice Principal.....

मुझे अत्यंत हर्ष है कि पी. एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 02, आवनि, प्रथम पाली शाहजहाँपुर की वार्षिक पत्रिका शैक्षणिक सत्र 2025–26 प्रस्तुत की जा रही है। विद्यालय पत्रिका किसी भी संस्था की गतिविधियों एवं उपलब्धियों का प्रतिविम्ब होती है। यह विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाओं और विचारों को शब्दों में व्यक्त करने का अवसर प्रदान करती है तथा उनकी सृजनात्मकता एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करती है।

मैं अपने हृदय के गहन भावों के साथ श्री राजेश कुमार वर्मा, महाप्रबंधक, आयुध निर्माणी शाहजहाँपुर एवं अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति, तथा श्रीमती सोना सेठ, उपायुक्त, श्री अनूप अवस्थी, सहायक आयुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, लखनऊ संभाग, के प्रति अपनी कृतज्ञता अर्पित करता हूँ। आपके अमूल्य मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग से हमारा विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

संपादकीय टीम, छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों को उनके समर्पित प्रयासों एवं परिश्रम के लिए हार्दिक बधाई। मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका न केवल हमारे विद्यार्थियों की प्रतिभा का परिचय देगी, अपितु हमारे विद्यालय की प्रगतिशील सोच एवं उत्कृष्टता की ओर अग्रसर यात्रा का प्रतिबिंब भी प्रस्तुत करेगी।

(मुनेंद्र पाल)
उप- प्राचार्य

हिंदी

अनुभाग

कलयुग के अर्जुन

चल उठ तू कलयुग के अर्जुन
उठा शस्त्र और युद्ध कर
शास्त्र ही तेरे शस्त्र हैं
ज्ञान तेरा ब्रह्मास्त्र है
कोई दूसरा नही तेरा प्रतिद्वंदी
तू अपने ही विरुद्ध युद्ध कर
चल उठ तू कलयुग के अर्जुन
उठा शस्त्र और युद्ध कर
दुर्योधन तेरे सामने
अहंकार बन कर है खड़ा
मिटा सकता है जो
शीलता अस्त्र तेरे पास पड़ा
क्यूं अज्ञान के आवरण से
अपने नेत्र को बंद करता है
तेरे इस छोटी भूल के कारण
ये अहंकार हो रहा तेरे से बड़ा

यशिका कश्यप
कक्षा 12 द

शहीदों की वीरता

गोलियाँ सीने पर खाकर जिसने,
हमें दिया जीने का हक उसीने।

लाशें बिछीं थीं अंग्रेज़ों की,
टूटी थी जंजीरें फ़ौलादों की।
चार पुरुष थे तब बेघर,
अंबेडकर, गांधी और शेखर।

आँखों में जिसकी चमक थी खिल,
शाहजहाँपुर का शेर—राम प्रसाद
बिस्मिल।

हम पूछें—आज़ाद कराया किसने?
उत्तर वही—खून पसीना बहाया
जिसने।
आज के बच्चों को आती है खाँसी,
तब के वीरों को मिलती थी फाँसी।

न भोजन सही, न चैन का ठिकाना,
हर कदम था मौत का ठिकाना।
फिर भी उसने क़ौम संभाली,
समान भाव से जान लुटा डाली।

जिसकी गाथा गूँज रही है अम्बर,
वही है वीर, वही है चंद्रशेखर।।

अर्थ सिंह
कक्षा 7 स



गौरैया तू हो न उदास

गौरैया तू हो न उदास
उड़ कर आ जा मेरे पास
नहीं भूख से मरने दूंगी
होने दूंगी नहीं निराश
बंद करूंगी ना पिंजरे में
विचरण करना सदा खुले में
स्वच्छ -स्वच्छ घर में आ जाना
आना कमरे धुले -धुले में
फिर उड़ना अपने आकाश
गौरैया तू हो न उदास
दाना दूंगी- पानी दूंगी
कभी-कभी गुड़ धानी दूंगी
मम्मी मुझे सुनाएंगी जो
सुनने तुझे कहानी दूंगी
घर मेरे तुम करो प्रवास
गौरैया तू हो न उदास
सच्चा साथ निभाऊंगी
तुझसे न घबराऊंगी
तुझे सुलाने को अक्सर
लोरी मधुर सुनाऊंगी
कर देखो मुझ पर विश्वास
गौरैया तू हो न उदास

आइज़ा अनीस
VIII 'अ'

गुलाब बनने की इच्छा

मैं गुलाब का फूल बनूंगी
मधुर - मधुर मुस्काऊंगी
घर आँगन महकाऊंगी
पास मेरे जो तितली आए, उसको
दोस्त बनाऊंगी
बागों को महकाऊंगी
मै गुलाब का फूल बनूंगी
मै गुलाब का फूल बनूंगी

आराध्या तिवारी
कक्षा - 8 B



मै प्रयास कर रही हूँ

मै प्रयास कर रही हूँ , गिरकर भी संभल रही हूँ ,
लोगों को खुद पर हंसता देख रही हूँ,
खुदकी नाकामियों पर हां अमर्ष हो रहीं हूँ , पर मै प्रयास कर रही हूँ ।
मैं गिरकर भी संभल रही हूँ,संसार से दूर हो रही हूँ,
माया से नाता तोड़ रही हूँ , मंजिल से नाता जोड़ रही हूँ,
हां खुदको अंहकारी कह रही हु, पर मै हिम्मत न तोड़ रही हूँ,
हां मैं प्रयास कर रही हूँ।
मैं गिरकर भी संभल रही हूँ, खुद का सहारा बन रही हूँ,
मंजिल से नाता जोड़ रही हूँ,विषाद से दूरी कर रही हूँ,
खुदसे खुद के लिए मै मल्लयुद्ध छेड़ रही हूँ ,
पर मैं खुद से न हार रही हूँ हां मैं प्रयास कर रही हूँ।
मैं गिरकर भी संभल रही हूँ, अनंत परिश्रम कर रही हूँ,
संसार से प्रताड़ित हो रही हूँ, खुद को प्रतिष्ठित कर रही हूँ,
सफलता की सीढ़ी चढ़ रही हूँ, कदम—कदम बढ़ा रही हूँ,
अंधेरे के पश्चात ज्ञान की लौ में जल रही हूँ,
मैं प्रयास कर रहीं हूँ ,और मैं सफल हो रही हूँ ।

तेजस्वी मिश्रा
9 ब

विद्यायाः महत्वम्

विद्या मानवस्य भूषणम् अस्ति। धनं क्षीणं भवेत्, मित्रं दूरं गच्छेत्, शरीरं जर्जरं भवेत्, किन्तु विद्या कदापि न नश्यति। सा मनुष्यं प्रकाशयति, मार्गदर्शनं करोति, चिरं सम्मानं ददाति च। विद्यालये अधिगतं ज्ञानं केवलं परीक्षायाः कृते न, अपितु जीवनस्य यथार्थे उपयोगी भवति। विद्या एव स्वातन्त्र्यस्य आधारः, समाजस्य शक्तिः च।

अतः सर्वे छात्राः एकनिष्ठया अध्ययनं कर्तुं प्रयत्नं कुर्वन्तु।

नाम - आकृति द्विवेदी
कक्षा - अष्ट ' स '

मातृभूमेः प्रति अर्पणम्

मम जन्मभूमिः पवित्रा सदा,
कर्मभूमिर्विभवाय या।
स्वधर्मपालनमेव मम,
जननी रक्ष्येऽहम् नित्यम्॥

बलिदानमेव सुखं मम,
जननीसमृद्ध्यै तनुमर्पये।
वीर्यं जीवनमर्थकृतं,
जननीप्रेम्णैव समर्पितम्॥

ज़ोया खान
कक्षा – अष्ट 'ब'



श्रीकृष्ण उपदेशः

1."अभ्यासवैराग्यं तन्निरोधः
Meaning- practice and detachment are the key to controlling the mind

2.त्रिविधं नरकस्येदं द्वारं नाशनमात्मनः
Meaning desire, anger , and greed are the three doors to self-destruction

3 "प्रज्ञा प्रतिष्ठा "।
Meaning- knowledge is the foundation of a stable life. invest time in learning

4."सङ्गं त्यक्त्वा धनञ्जय "।
Meaning- detachment from results strengthens action. Let go and do your best

5."कर्मण्येवाधिकारस्ते"।
Meaning- focus on doing your best today. results will follow in time



Name - lashika
Class - 8th C

स्वास्थ्य-संहितासूत्रम्

1. तच्च नित्यं प्रयुञ्जीत, स्वास्थ्यं येनानुवर्तते ।
   अजातानां विकाराणामनुत्पत्तिकरं च यत्

2. अल्पादाने गुरूणां च लघूनां चातिसेवने ।
   मात्राकारणमुद्दिष्टं द्रव्याणां गुरुलाघवे ॥ २ ॥

3. तस्याशिताद्यादाहारात् बलं वर्णश्च वर्धते ।
   तस्यर्तुसात्म्यं विदितम् चेष्टाहारव्यपाश्रयम् ॥ ३

4 .व्यायामः प्रातरुत्थाय, नित्यं दन्तविशोधनम् ।
   स्वच्छजलेन सुस्नानं, बुभुक्षायाञ्च भोजनम् ॥ ४

5. सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।
   सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत् ॥ ५

6. आयुः सत्त्वबलारोग्यसुखप्रीतिविवर्धनाः ।
   रस्याः स्निग्धाः स्थिरा हृद्याः आहाराः सात्त्विकप्रियाः॥ ६

Name- Aseem Mishra
Class- 8C



यह देश है मेरा, यह मेरी पहचान है,
माटी की खुशबू, और वीरों की शान है।
गंगा की धारा, हिमालय का साया,
इस धरती पर हमने जीवन पाया।
हर रंग में रंगा, हर धर्म को अपनाया,
एकता के धागे से, सबको है सजाया।
सरहद पर खड़े, जवान हैं हमारे,
इस देश के हम, सच्चे रखवाले

MOHD. Meezan Ansari

XI D

जंग अभी जारी है

जंग अभी जारी है
नसीब से समय से और खुद से !

पाप करता मैं भी हूँ पर जनता सिर्फ
मैं ही हूँ और भरोसा किसी पर नहीं
क्योंकि धोखेबाज मैं भी हूँ

मैं छोड़ चुका झूठी उम्मीदों पर
रहना मैं खड़ा तैयार की मैं सह लूंगा
जो है मुझे सहाना मेरे सीने में हिम्मत
अभी भी है बाकी मैं दुनिया से लड़ा हूँ
जंगे भी काफी मैं टूटूंगा नहीं जैसा
पत्ता पतझड़ का मैं वो फूल जिंदा जो
रेगिस्तान में ...

दीपक कुमार
12 D





वो दिन स्कूल के

हम उन पगडंडियों से पढ़ने जाते थे
जिनके दोनो तरफ फसल लहलहाते
लेते थे मज़ा बरगद के तनों से झूल के
आज भी याद है वो दिन स्कूल के

कभी आम, कभी अमरूद, कभी पके पपीते
कभी तोड़ते जामुन, तो कभी बेल का रस पीते
पकड़े जाने पर कहते आ गए थे चाचा भूल के
आज भी याद है वो दिन स्कूल के

स्कूल में गुरु जी हमें रोज़ मुर्गा बनाते थे
क्योकी हम प्रेयर के बाद जाते थे
झूठ बोलते और बहाने बनाते हम फिजूल के
आज भी याद है वो दिन स्कूल के

स्कूल का आखिरी घंटा सहा नहीं जाता था
लाद के बस्ता पीठ पर रहा नहीं जाता था
होती थी जब छुट्टी करते थे हल्ला हम खुल के
आज भी याद है वो दिन स्कूल के

लाएबा -12 'द'

विद्यालय हमारा जीवन

विद्यालय हमारे जीवन का आधार,
जहां ज्ञान की ज्योति जलती है।
शिक्षकों का प्यार और मार्गदर्शन,
हमारे भविष्य को सजाती है।

विद्यालय में हम सीखते हैं,
नए विचार और नए सपने।
यहां दोस्ती का बंधन बनता है,
जो जीवन भर साथ निभाता है।

विद्यालय हमारे सपनों का उद्गम,
जहां हम अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ते हैं।
यहां की यादें हमेशा हमारे साथ रहती हैं,
और हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।

सौम्या मित्रा
कक्षा 7 स





मेरा प्यारा विद्यालय

हमको अच्छा लगता है, प्रतिदिन आना विद्यालय,
देखो कितना सुंदर है, मेरा प्यारा विद्यालय।
ईश् वंदना से प्रतिदिन, शुरुआत यहां पर है होती,
दूर करो अज्ञान प्रभु, दे दो हम सब को सद्बुद्धि।
आदर करें बड़ों का, माने गुरूजनों की हम आज्ञा,
बने देश के योग्य नागरिक, करते हैं हम नित्य प्रतिज्ञा।
हिंदी, अंग्रेज़ी में सीखते शब्दों से वाक्यों को गढ़ना,
गणित विषय में गुणा, भाग और जोड़ घटाना है करना।
ई वी एस है हमें कराती, दुनिया के तथ्यों का ज्ञान,
गेम्स पीरियड में खेलकर, बनते स्वस्थ और बलवान।
पुस्तकालय से पुस्तक पढ़कर अपना ज्ञान बढ़ाते हैं,
चित्रकला में रंग बिरंगे सुन्दर चित्र बनाते हैं।
लंच ब्रेक में सहपाठियों के साथ में भोजन करते हैं,
शिक्षक त्रुटि बताते हैं और हम संशोधन करते हैं।
मिलके बजाते वाद्य यंत्र, और खूब तराने गाते है,
शिक्षक और प्राचार्य महोदय, ज्ञान की बातें बताते हैं।
खूब पढ़ेंगे, खूब लिखेंगे अच्छे नंबर लाएंगे ।
कठिन परिश्रम करके,विद्यालय का मान बढ़ाएंगे।
विद्यालय से प्राप्त ज्ञान से, आगे बढ़ते जाएंगे,
मेरा प्यारा विद्यालय, यह गीत सदा ही गाएंगे।

अयांश दीक्षित, कक्षा-5



मेरी माँ

सुबह सवेरे मुझे जगाती,
बड़े प्यार से मुझे उठाती।
दांतों में मंजन करवाकर,
नहला कर है स्वच्छ बनाती।
जल्दी उठकर बना नाश्ता,
बड़े प्यार से मुझे खिलाती।
समय से करके तैयार,
मुझको विद्यालय पहुंचाती।
जब मैं आता लंच ब्रेक में,
मुझे प्यार से भोज कराती।
कपड़े मेरे करती साफ़,
गलती भी करती है माफ़,
अपनी गोद में बैठाकर,
अच्छी बातेँ मुझे बताती।
होम वर्क में जब मैं उलझूं,
मेरी उलझन को सुलझाती।
थककर मैं जब रात मे लेटूं,
सुना के लोरी मुझे सुलाती।
मीठी नींद में मैं सो जाता,
माँ मेरे सपनों में आती।

अयांश दीक्षित
कक्षा-5 A





बेटियां

कोई चेहरा है कोमल काली का
रूप कोई सलोनी परी का
इनसे सीखा सबक जिंदगी का
बेटियां तो है लम्हा खुशी का

ये अगर है तो रोशन जहां है
ये जमीन है और आसमां है
है वजूद इन से ही आदमी का
बेटियां तो है लम्हा खुशी का

हमने रब को तो देखा नहीं पर
नूर ये है खुद का जमी पर
एक अहसास है रोशनी का
बेटियां तो है लम्हा खुशी का

इनसे इनकी अदाएं न छीनो
इनसे इनकी सदाएं न छीनो
हक इन्हें भी तो है जिंदगी का
बेटियां तो है लम्हा खुशी का

गानिया
8C

BASISSR215

"एक पेड़ माँ के नाम"

आँगन में खड़ा वो पेड़,
कुछ कुछ माँ सा लगता है।
धूप में छाँव बिछा देता,
साँसों को जीवन देता है।

पत्तों की सरसराहट में,
माँ की बातें सुनाई देती हैं।
फल-फूलों की मधुर गंध,
माँ की रसोई सी लगती हैं।

बीजों से उगती नन्हीं कोंपल,
जैसे गोदी का बच्चा हो।
प्यार से सींचे यदि उसको,
तो जीवन सच्चा-सच्चा हो।

माँ और पेड़ दोनों ही,
देते हैं केवल और केवल।
न माँ थकती, न पेड़ रुकते,
दुनिया के हित में हर पल।

आओ मिलकर वचन ये लें,
हर हृदय से प्रणाम करें।
धरती पर उपवन सजाएँ,
"एक पेड़ माँ के नाम" करें।

रुद्रांशी पटेल
कक्षा 06 A



" विश्वास"

एक बार की बात है एक छोटे से गाँव में दो भाई बहन रहते थे जैक और एमन दोनों के माता पिता बचपन में ही गुज़र गए थे दोनो भाई बहन के आपस मे प्रेम और विश्वास था वे एक दूसरे के बुरे वक्त मे हमेशा साथ रहते थे समय अच्छे से बीत रहा था की एक दिन बहुत मशहूर जादूगरनी आई लोग उससे डरते थे उसे प्रेम और विश्वास से नफरत थी वह जादूगरनी घूमती - घूमती उन दोनों के घर आ पहुंची उन के बीच का प्रेम और विश्वास देखकर उससे अपना गुस्सा सहा नही गया वह जैक को ले गई और कैदखाने में बंद कर दिया जब एमन को पता चला की उसका भाई उस जादूगरनी के पास है वह तुरंत उसे ढूंढने निकल गई रास्ते में उसे एक साधु जी मिले उन्होने ने उससे पूछा " बेटी क्या हो गया ? " एमन ने सारी घटना बताई साधू ने कहा " तुम मेरी छड़ी ले लो इसे उस जादूगरनी की पीठ पर वार करता जिससे वह हमेशा हमेशा के लिए गायब हो जायगी पर याद रखना यह तभी काम करेगी जब तक तुम डरोगी नहीं अगर तुम डर गई तो यह लकड़ी सा धारण हो जायगी " एमन ने ठीक वैसा ही किया और अपने भाई को बचाने मे सफल हुई और वह जादूगरनी हमेशा हमेशा के लिए गायब हो गई जैक ने कहा " मुझे विश्वास था तुम जरूर आओगी मुझे बचाने क लिए "
शिक्षा- भाई बहन के बीच सदा प्रेम और विश्वास रहना चाहिए एवम् एक दूसरे की हमेशा सहायता करनी चाहिए ।

नाम अनमता, कक्षा - 6 अ



" जीवन एक आशा"

जीवन है आशा की माला
यदि आशा पूरी करनी है
जीवन की इस कश्ती में
ज्ञान की ज्योति जलाते चलो
सूरज सा जलना सीखो
फूलों सा हंसना सीखो
दुनिया वालों से प्यार करो
इस प्यार में जीना तुम सीखो
गुरुओं का सम्मान करो
बुरा काम ना कभी करो
भगवान तुम्हारे साथ में है
फिर तुमको किसका डर है
बागों में कुछ फूल खिले
कुछ शव पर चढ़े कुछ हार बने
कुछ किसी के कदमों के नीचे
फिर देखो हंसते हैं खड़े।

संजीवनी राना
कक्षा आठवीं ' ब

"मोबाइल की दुनिया"



आज के युग में मोबाइल
हर इंसान की ज़रूरत बन गया है।
इंटरनेट और मोबाइल के बिना
किसी का काम नहीं चलता।
एक तरफ मोबाइल और इंटरनेट
जहाँ हमारी ज़रूरत हैं
और इससे हमें बहुत फ़ायदे हैं,
वहीं दूसरी तरफ
इसके नुकसान देखने से आते हैं।
मोबाइल और इंटरनेट के बढ़ते
उपयोग के कारण हम वास्तविक
दुनिया से दूर होते जा रहे हैं।
गेम्स और सोशल मीडिया
को हमें अपने ऊपर हावी
नहीं होने देना चाहिए। खास
तौर से बच्चों को मोबाइल के
अधिक इस्तेमाल के कारण
नज़र कमज़ोर होना और पढ़ाई
से ध्यान न लगना है।

जीवन में सफल होने के लिए
मोबाइल और सोशल मीडिया
से दूर रहकर पढ़ाई पर ध्यान
देना चाहिए।

Arhaan Khan – IV A

" भ्रष्ट नेता"



नेता जो जनता का हुआ विश्वास,
अब बन गया है स्वार्थ का वास।
झूठ की मिठास में लहराते हैं,
लोगों के दिलों को छलते जाते हैं।

कभी थे जो ईमानदारी के प्रतीक,
अब उनके काम बन गए हैं धोखेबाज़ की सिफारिश।
द्रव्य और पद की भूख सता रही है,
लोकतंत्र की नींव को ये खोखला कर रही है।

सत्ता के गलियारों में मिलती है माया,
पर जनता की आँखों में अब भी आंसू की माया।
वो चुप है, उनका मुँह बंद है,
क्या सच्चाई की आवाज़ दब सकती है?

भ्रष्टाचार का गहरा अंधेरा छा गया,
पर जो जनता जागेगी, वो उजाला लाएगी।
अधिकारियों को ये जानना होगा,
न्याय का सूरज हमेशा चमकेगा।

अब उठो लोग! आओ सच्चाई की राह पर,
तुम्हारी ताकत से ये भ्रष्ट नेता खड़े नहीं रहेंगे।

नाम- कनक गंगवार
कक्षा-11 'स'



" अभ्यास का महत्व"

अपने-अपने क्षेत्रों में जो भी व्यक्ति सफल हुए हैं उनकी सफलता में अभ्यास का बहुत बड़ा योगदान है अभ्यास के द्वारा व्यक्ति भी विद्वान बन सकता है निसंदेह किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने में अभ्यास का महत्व होता है गुरु द्रोण ने एकलव्य को धनुर्विद्या देने से इंकार कर दिया था उसके उपरांत एकलव्य ने उन्हें चोरी-छिपे देखकर स्वयं धनुष बाण चलाने का अभ्यास किया और वह धीरे धीरे धनुर्विद्या मैं निपुण होता गया कालजई हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद एक मैच में गोल नहीं दाग पा रहे थे तो उन्हें गोल पोस्ट की माप पर कुछ संदेह हुआ जब उस गोल पोस्ट की माप ली गई तो वह अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुरूप नहीं थे यह ध्यानचंद का स्वयं पर विश्वास ही था और यह विश्वास अभ्यास के द्वारा अर्जित हुआ था आज यदि हम बल्ब की रोशनी पा रहे हैं तो उसके पीछे भी अभ्यास की शक्ति ही निहित है एडिसन ने बार-बार असफल होने के बावजूद अभ्यास करना नहीं छोड़ा और एक दिन उस वस्तु का अविष्कार कर दिया जिसने दुनिया को प्रकाश दिया अभ्यास की शक्ति को मनुष्य ही नहीं अपितु पशु-पक्षी भी महत्व देते हैं मधुमक्खियां निरंतर परिश्रम और अभ्यास से फूलों का रस एकत्र करती हैं और अमृत तुल्य शहद बनाती हैं इसी प्रकार नन्ही चींटी जब अपने खाने के लिए अनाज एकत्र करती है तब इस प्रक्रिया में अनेक बार अनाज का टुकड़ा उसके मुंह से छूटता है किंतु वह निरंतर चलने का अभ्यास करती है और अंत तक गंतव्य तक उठाएं चलती जाती है इसी तरह पक्षी अपना घोसला बनाने के लिए जगह जगह से तिनका तिनका एकत्र करते हैं फिर अत्यंत परिश्रम और अभ्यास से घोसला बनाने में सफल हो जाते हैं वास्तव में अभ्यास जीवन की नदी में वह नाव है जो अपने सवार को प्रवाह के बीच से सुरक्षित निकाल कर गंतव्य तक पहुंचाती है इसमें कोई संदेह नहीं है की अभ्यास ही आत्म विकास का सर्वोत्तम साधन है

आलिया अहमद ,कक्षा 12-बी

राम का स्कूल

झारखंड के एक छोटे से गांव में राम नाम का एक लड़का रहता था । राम एक बहुत होशियार और जिज्ञासु लड़का था लेकिन गांव में एक समस्या थी - वहां कोई स्कूल नहीं था । बच्चे अक्सर पेड़ों के नीचे बैठकर ही पढ़ाई करते थे। राम का सपना था कि उसके गांव में भी एक पक्का स्कूल बने; जहां पर हर बच्चा अपनी किताब - कॉपी लेकर पढ़ सके। हर दिन वह अपने दोस्तों को इकट्ठा करता और पेड़ के नीचे बैठकर उन्हें पढ़ाता। धीरे-धीरे पूरे गांव में चर्चा होने लगी- राम खुद बच्चों को पढ़ाता है । गांव के बुजुर्गों ने देखा और सोचा कि अगर एक बच्चा इतना कुछ कर सकता है, तो क्यों न मिलकर एक स्कूल बनाएं !! उन्होंने मिट्टी और बांस से एक छोटा सा कमरा बनाया और नाम रखा "राम का स्कूल"।

अब गांव के सभी बच्चे वहां पढ़ने आने लगे। हंसी-खुशी के बीच पढ़ाई होती; कोई कविता सुनाता ,कोई पहाड़ा बोलता तथा कोई चित्र बनाता।

राम का सपना सच हो गया था। राम गर्व से कहता ," देखो ,अब हमारे गांव का भी स्कूल है।" गांव के सभी लोग बोले ,"राम , तुमने हमारे बच्चों का भविष्य बदल दिया।"

सीख - यह कहानी हमें सिखाती है कि सपने पूरे करने के लिए उम्र नहीं बल्कि साहस और दिमाग चाहिए।

- शिवांशु पाराशर,5A



बच्चा होना, कितना अच्छा

बच्चों के संग बच्चा होना
कितना अच्छा लगता है!

कभी खेल में हँसना गाना
ता-ता थैया नाच दिखाना,
और कभी नाराज सभी से
हो जाना, फिर मुँह लटकाना।
झूठ-मूठ ऊँ-ऊँ कर रोना
कितना अच्छा लगता है!

गाल फुला आँखें मिचकाना
करना काम कभी बचकाना,
बंदर जैसी हरकत करके
कभी डराना फिर भग जाना।
खाना झूठ मूठ ले दौना
कितना अच्छा लगता है!

कल्लू नीनू चुन्नू-दीनू
के संग मिलकर गप्प लड़ाना,
इंजन बनकर छुक-छुक करना
या टिक-टिक घोड़ा बन जाना।
ऊपर लाद सभी को ढोना
कितना अच्छा लगता है!

Raunak Trivedi

12'C'

भारत – इतिहास की गौरवगाथा

सिंधु घाटी की मिट्टी में अंकित है इतिहास,
मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, जीवन सरल और खास।
नदियों के किनारे फैली सभ्यता पुरानी,
जहाँ विकास और संस्कृति की थी कहानी।
ऋषि-मुनि की तपस्या, वेदों का ज्ञान,
संस्कार और विज्ञान ने सजा दी भारत की धरा महान।
अशोक के शिलालेख में संदेश अहिंसा का,
बुद्ध का उपदेश गूंजा धरती का कोना-कोना।
गुप्त साम्राज्य में कला और विज्ञान का उत्कर्ष,
सूर्य और आर्यभट्ट ने छुआ गगनस्पर्श।
नाट्य, संगीत, वास्तुकला की छवि बनी,
हर युग ने भारत को गौरवमयी गाथा दी।
मुगल और मराठा की रणभूमि में शौर्य छाया,
कृष्णदेव राय और अकबर की नीति ने संस्कृति सजाया।
समानता, धर्म, ज्ञान की परंपरा सजीव,
हर युग ने इतिहास में अपना अमूल्य चित्र लिखा।
ब्रिटिश राज में दर्द और संघर्ष का दौर,
सुभाष, भगत, रानी लक्ष्मीबाई का अद्भुत गौरव।
गांधी जी की अहिंसा, नेहरू का सपना,
संघर्षों के बाद आज़ादी ने किया भारत को नमन।
स्वतंत्र भारत में शिक्षा और विज्ञान का विकास,
हर क्षेत्र में चमकता हमारी धरती का प्रकाश।
हर पर्वत, नदियाँ, और मैदान गवाही दें,
वीरों की वीरता और बुद्धि की महिमा कहें।
आओ हम सब मिलकर यह प्रण करें,
अपने गौरवशाली इतिहास को हर क्षण याद करें।
भूतकाल से सीख, वर्तमान में काम,
भारत की यही है सदा उज्ज्वल शान।

-निशा (कक्षा-12C)

पानी

पानी है जीवन की धारा

पानी है जीवन की धारा,
जिससे जुड़ा है यह जग सारा।

पानी बिन हो जायेंगे वीरान,
नदी, नाले और खेत खलिहान।

बूँद बूँद ना करो बेकार,
इनसे जुड़ी हैं खुशियाँ अपार।

ये है जीवन का आधार,
ये है जीवन का आधार।

शिवांसी पाल
तीसरी –'अ'



माँ भारती

जंजीरों में जकड़ी थी माँ भारती,
हर आंगन में था अंधेरा,
लुटे सपने बिखरी आशा
रोता था देश हमारा।

खून पसीने से सींचा चमन
हर बलिदान बना अमन,
उन्होंने हँसते हँसते फांसी पाई,
भारत माँ की शान बढ़ाई।

झाँसी की रानी ने तलवार उठाए ,
सरफरोशी के गीत गाए,
भगत, आज़ाद, बिस्मिल सबने
हँसते हँसते प्राण गवाए।

आज़ादी का सूरज निकला,
हवा हुई फिर आज़ाद,
वीरों के बलिदान से मिला हमको
स्वराज और सम्मान।

जय हिंद , जय भारत।

कृतिका वर्मा
9 C

ज़रा सोचो



अंग्रेज़ी में नंबर थोड़े कम आते हैं
अंग्रेज़ी बोलने से भी हम घबराते हैं,
पर स्टाइल के लिए पूरी जान लगाते हैं,
क्यूँकि हम हिंदी बोलने से शरमाते हैं।

एक वक्त था जब हमारे देश में हिंदी का बोलबाला था,
माँ की आवाज़ में सुबह का उजाला था।
उस माँ को अब हम mom बुलाते हैं,
क्यूँकि हम हिंदी बोलने से शरमाते हैं।

देश आगे बढ़ गया पर हिंदी पीछे रह गई,
इस भाषा से अब हम क्यों नज़र चुराते हैं?
क्यूँकि हम हिंदी बोलने से शरमाते हैं।

माना अंग्रेज़ी पूरी दुनिया को चलाती है,
पर हिंदी हमारी पहचान हम ही से कराती है।
क्यों न हम अपनी मातृभाषा को फ़िर से सर- आँखों पर
बिठाएँ?
आओ हम सब मिलकर हिंदी दिवस मनायें ।

मो० रज़ा ख़ान , III अ

पहेलियाँ

1) पहाड़ों से घिरा, बर्फ़ की चादर ओढ़े, डल झील की सैर करोगे,जब इस राज्य में जा ठहरोगे।

बताओ कौन - जम्मू कश्मीर

(2) रेगिस्तान की रानी, रंगों की कहानी, ऊंट की सवारी, किले मेरी निशानी।

बताओ कौन - राजस्थान

(3) यहां का स्वाद है खाश, ढोकला, फाफड़ा हर सांस, साबरमती की धरती प्यारी, उद्योगों की बन गई सवारी।

बताओ कौन - गुजरात

(4) पूर्वोत्तर का मोती कहलाऊँ, शिलांग है मेरा दिल, बारिशे है यहाँ बहुत दिलकश मिल।

बताओ कौन - मेघालय

(5) 75 जिले और 18 मंडलो से भरपूर। पेठा ,जलेबी, बर्फी मिठाई बड़ी मशहूर गंगा-यमुना बहती जिसमें। सारनाथ , इत्र नगरी इसमें अयोध्या, काशी, आगरा भी देखो ओ बच्चों कौन हूँ मैं सोचो ।

बताओ कौन - उत्तर प्रदेश

(6) पांच नदियों की भूमि महान,
खेतों में लहराए किसान।
भांगड़ा-गिद्धा नाचें यहाँ,
स्वर्ण मंदिर करता पहचान।

बताओ कौन - पंजाब

(7) चाय-बागानों की ये धरती,
ब्रह्मपुत्र से कटती-झरती।
बिहू नृत्य, रेशमी वस्त्र,
पूर्वोत्तर का मैं हूँ राज्य मस्त।

बताओ कौन - असम

(8)सपनों की नगरी जहाँ बसी,
मराठा वीरों की जहाँ चली।
लावणी नाच, मुंबई नगर,
शिवाजी की गाथा यहाँ अमर।

बताओ कौन - महाराष्ट्र

(9) पहाड़ों में बसा है प्यारा,
हिम से ढका हर एक नज़ारा।
मनाली-शिमला यहाँ की रीत,
शांति में लिपटी इसकी प्रीत।

बताओ कौन - हिमाचल प्रदेश

(10) नारियल, बैकवॉटर की छाया,
कथकली, आयुर्वेद सब कुछ पाया।
सांप नौका दौड़े पानी में,
"God's Own Country" नाम कहानी में।

बताओ कौन - केरल

नाम - धनंजय प्रताप सिंह
कक्षा - 7 "अ"



घाव की सीख

हम जीवन को समझ रहे हैं
अलग-अलग मन भाव से,
हमको सदा ही सीख मिली है
अन्तर्मन के घाव से।।
घूम रहा है समय का पहिया
बहुत तेज़ घुमाव से,
पार करेंगे दुःख की नदियाँ
हम धीरज की नाव से।।
रुकें तो जल दूषित हो जाये
ताज़ा रहे बहाव से,
बहते-बहते मन ये चाहे
आ जायें ठहराव से।।
चाय औषधि बन जाती
अदरक के कुटाव से,
खिचड़ी को भी ना भूले
भरे पेट जो पुलाव से।।
मिट्टी में कुछ बीज दबा दें
सींचे जल के भराव से,
फिर से नया अंकुर फूटेगा
धरती में उर्वर भाव से।।

प्रथम सक्सेना , XII A

मुस्कुराओ

मुस्कुराओ,
अगर आज कहीं से हार गए हो,
किसी को उस जीत की तुम से ज़्यादा ज़रूरत थी शायद।।

मुस्कुराओ,
अगर कुछ खो गया है,
जिसके नसीब का था उसको छीन गया है शायद...।।

मुस्कुराओ,
अगर दिल टूट गया है, किसी का दिल जीतने के लिए
किसी का भरोसा टूटना बहुत बुरा होगा शायद।
और अगर रह जाएँ दिल में फिर भी दर्द कहीं, तो बस
मुस्कुराओ,
और हाँ अगर दिल में खुशी ज़्यादा हो तो मुस्कुराओ।।

मुस्कुराओ,

जब बार-बार से सोच कर हताश हो जाते हो,
कि इससे अच्छा तो वो गया, इससे अच्छा जो वो गया...
तब सोच कर मुस्कुराओ कि इससे बुरा ही क्या हो जाता?

मुस्कुराओ,

अगर सर पर छत है , वदन पर कपड़ा और है
थाली में खाना.....
और हाँ अगर ज़रूरत से ज़्यादा है तो बाँट कर घर आना।।

मुस्कुराओ,

जब कोई यूँ ही जिंदगी जीने का सलीका सिखाए—
मुस्कुराओ ये कहकर कि हमने ज़िंदगी से मुस्कुराना ही सीखा।।

मुस्कुराओ.....

केशव शुक्ला , XII A

English Section

Dreams Take Flight

Dreams whispers in the night,

Flickering stars that glow so bright.

They guide us through the darkest skies,

And teach our wings how high to rise.

A tiny seed within the heart,

Can grow to play a wondrous part.

With courage, hope, and steady aim,

Even small sparks can become flame.

So chase the path that feels your own,

No dream is ever dreamt alone.

For those who dare, the world is wide,

And dreams take flight when they're our guide.

Reema Gupta , X C

The First Rain

The scorching summer drifts away,

As clouds arrive in gentle sway.

A sudden breeze, a thunder's call,

The first sweet raindrops start to fall.

The thirsty earth wakes up with cheer,

Petrichor spreads, the scent is clear.

Leaves once dusty, washed so bright,

Dance in joy beneath the light.

Children laugh, their spirits free,

Running wild in harmony.

The world feels new, so fresh, so plain,

A gift of hope, the first soft rain.

Ishita Gupta, 4A



THE WOUNDERFUL EARTH

Our home, Our forests, Our mountains, Our oceans, Our valleys, Our islands, Our volcanoes, Our nature, Our environment, humans all in wonderful Earth. Greeny forests, kissy mountains kiss the sky, deep salty-sweet oceans which have water animals and Flora-Fauna, deep valleys touch foot of the earth, Islands have beautiful beaches bath in the oceans, volcanoes are very angry and strong, the colorful nature, the eco-friendly environment and humans. All this together makes a wonderful world.

NAME -SRASHTI, VII A

Curiosity: The Key to Learning Beyond Textbooks

When we think about learning, the first thing that comes to mind is textbooks, exams, and notes. But I have realized that the real joy of learning goes far beyond the pages of a book. And the secret behind that joy is one powerful habit — curiosity.

Curiosity is the habit of asking questions. It makes us wonder about things that seem ordinary but are actually full of lessons. Why do stars twinkle? How does a butterfly change from a caterpillar? Why do plants bend toward sunlight? These small doubts often teach us more than simply reading lines from a textbook.

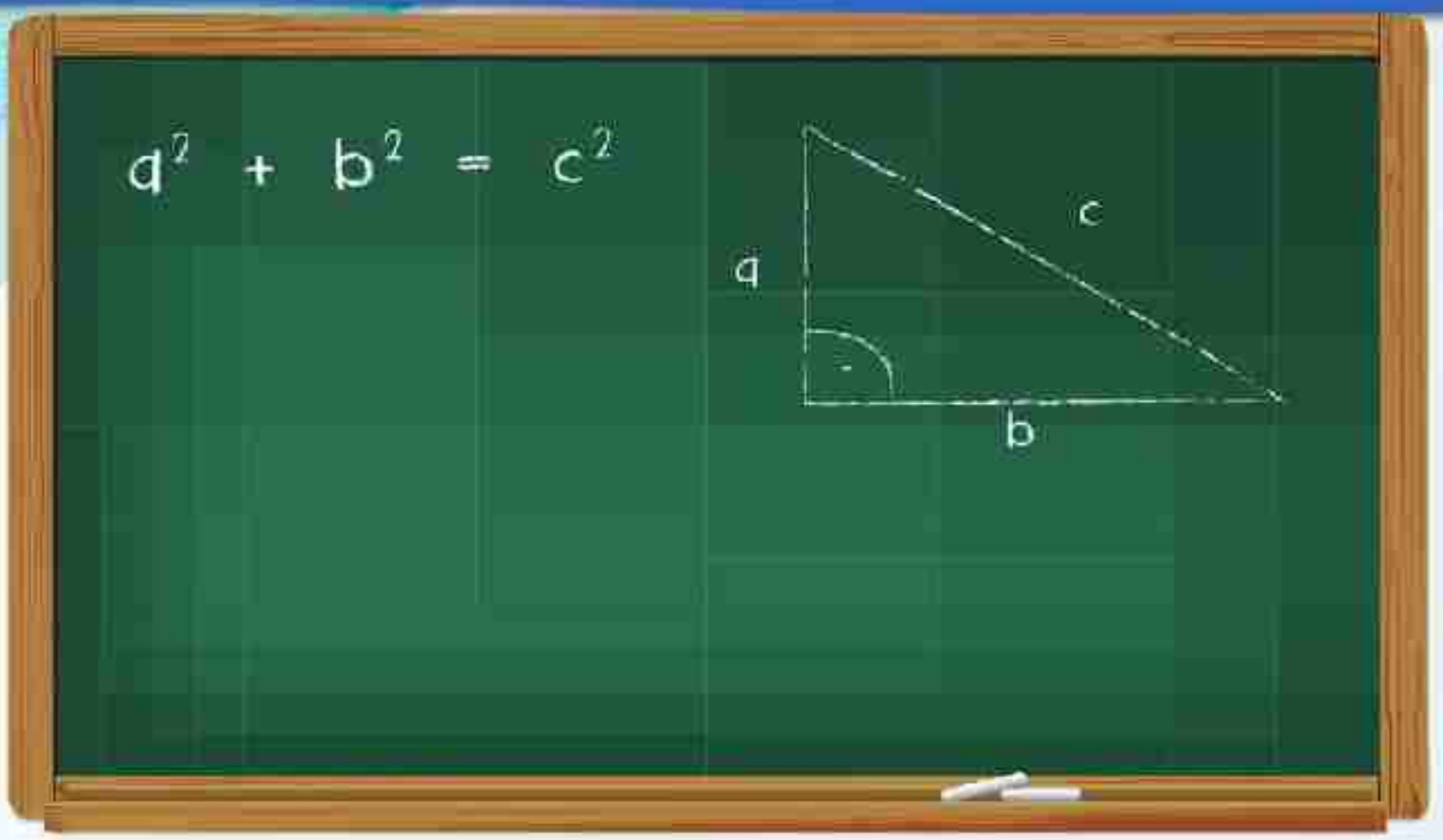
I remember once I kept observing the sky, curious about why the moon changes its shape every night. That single question led me to read, research, and ask my teacher. In the end, I learned much more than what was written in the science chapter. It was a joyful experience because it came from my own curiosity.

Learning beyond textbooks is not about ignoring books. It is about exploring the world with open eyes and an open mind. A football match can teach teamwork, gardening can teach patience, and even a friendly conversation can give us new knowledge. Textbooks give us facts, but curiosity helps us connect those facts with real life.

In my opinion, curiosity is the best teacher because it makes every moment an opportunity to learn. When we stay curious, we don't just study for marks — we learn for life. That is the true joy of learning beyond textbooks.

Shumaisa
8th- A





Beneath the chalk

Beneath the chalk, beneath the ink,
Lies more than most would stop to think.
A world of wonders, sharp and wide—
Mathematics, my silent guide.
It speaks in lines both straight and clean,
In curves where mysteries convene.
A whisper in a theorem's grace,
A hidden truth I chase, I trace.
No need for paint, no need for rhyme—
It builds with logic, space, and time.
It tells me how the planets turn,
And how the candles gently burn.
A problem waits — I do not fear,
For every step will make it clear.
And when the answer shows its face,
It fills my mind with quiet grace.
Infinity's a friend I know,
A place where numbers dare to go.
And in that realm so vast and deep,
Math sings the stars awake from sleep.
So let the poets write of rain,
Of hearts in love, of human pain—
But I will write of what is true:
The beauty in the math I do.

By-Arnav Arya, 9th B

Books vs Screens – Who Wins?

Books have always been our best friends, carrying centuries of wisdom in their pages. They connect us with imagination, patience, and deep thinking. On the other hand, screens have made knowledge faster and more colorful, bringing the whole world into our hands within seconds. Yet, while screens offer speed, books give depth. The true winner is not one over the other, but the balance we create. A student who reads books and uses screens wisely gets both—knowledge with creativity and speed with understanding. In the end, wisdom lies in choosing both, not fighting one.



Name - Aakrati dwivedi
Class - 8th 'C'

The Journey of a Girl

She blooms like dawn with gentle grace,

A spark of hope in every place.

Her laughter rings, her spirit sings,

She holds the strength of countless springs.

Through trials faced, she learns to stand,

With courage steady, heart in hand.

She dreams beyond the sky so wide,

With fearless steps, she walks with pride.

A girl's life shines, both soft and strong,

A melody, a timeless song.

With every tear, with every smile,

She makes the world a brighter mile.



Kavya

IX 'B"



Jokes of the day.....

1. Why maths book is sad?
Ans. Because it has too many problems.
2. What is the snake's favourite subject? Ans. History.
3. Why did the scientist remove her door bell?
Ans. She wanted to win the no-bell prize.
4. Which state is called the land of pencils?
Ans. Pennsylvania.
5. What is so fresh in the chemistry class?
Ans. The experiment.
6. Why are chemists great at solving problems?
Ans. They have all the solutions

Anupriya Verma

"Hurray for Vande Bharat!"

Vande Bharat swift and bright,

Zooms ahead like morning light.

Doors that open side to side,

Come, let's take a speedy ride!

Seats so comfy, windows wide,

Scenery flows like a river's tide.

Made in India, strong and new,

Painted white with a touch of blue.

Gliding fast on every lane,

Hurray for our Vande Bharat train!

Hridhaan Singh Mehra

Class V A

Notes

Teen Talk – Our Voices Matter

Being a teenager is exciting but also challenging. We are growing, learning, and shaping our own identities. At the same time, we face issues that are not always easy to talk about. This space is for us—the students—to share our voices.

On Bullying: "Silence is not the answer."

Bullying—whether in classrooms, corridors, or online—leaves deep scars. Many students hesitate to speak up, fearing judgment. But remember: silence gives power to bullies. Standing together, supporting friends, and reporting issues to teachers can make school a safer place for everyone.

On Digital Life: "Are we controlling screens, or are screens controlling us?"

From endless scrolling on social media to gaming all night, digital life is both a blessing and a trap. While the internet connects us to the world, it also makes us compare ourselves to others. Maybe it's time to practice digital balance—using technology for growth, not stress.

On Mental Health: "It's okay to not be okay."

Exams, expectations, and peer pressure often feel overwhelming. Mental health should be talked about openly—just like physical health. Sharing feelings with a friend, teacher, or counselor doesn't make you weak; it makes you stronger. A kind word or a listening ear can change someone's entire day.

Final Thought:

"Teen Talk" is not about perfect answers, but about real conversations. If we listen to each other and speak without fear, school can become a place where every student feels heard, valued, and supported.



Name-Sristi Sharma
Class-XI C

The Last Year of My School

The final year of school is not just about completing the syllabus or preparing for board examinations; it is a chapter of life filled with memories, emotions, and lessons that will stay with us forever. It is the year when we begin to realise how deeply our school has shaped us—not only as students but also as individuals.

Every corner of the school suddenly feels special in the last year. The classroom benches that once felt ordinary now hold countless memories of laughter, discussions, and even last-minute exam preparations. The playground becomes more than just a place for games—it becomes a reminder of teamwork, friendship, and the spirit of never giving up.

In this final year, bonds with teachers and friends become stronger. Teachers, who have guided us patiently for years, prepare us not just for exams but also for life beyond the school gates. Friends, who have been with us through thick and thin, become family, and the thought of parting ways fills our hearts with both joy and sadness.

The last year of school is also a year of growth. It teaches us responsibility, decision-making, and the value of time. At the same time, it reminds us to enjoy every moment—be it annual functions, farewell preparations, or even the silence of the library.

As we step out, carrying our dreams and ambitions, we know that school life will always remain the golden chapter of our journey. No matter where life takes us, the memories of this final year will forever bring a smile to our faces.

OPEN A BOOK



Open a book
And you will find,
People and places of every kind;
Open a book
And you can be,
Anything you want to be;

Open a book and you can share,
Wondrous words you find there
Open a book
And I will too,
You read to me,
And I will read to you!



Pragati Singh
Class-XI C

Name – Preetam

Class – XII C



Thirsty Crow Story (New Version)

Once a crow was very thirsty in the summer days, he started flying in search of water, luckily he found some water in a pot. The water was enough for him but when he reached the pot he found that he was not able to drink water because his beak was small and it was not reaching the water. But instead of giving up he worked hard and started putting pebbles in the pot. The water level came up, when he was about to drink water, another crow came and drank all the water, then flew away. The first crow started crying because he worked hard but the fruits of his hard work were taken by someone else by deceit, but suddenly he saw that the crow who drank the water fainted and died when he looked at him he found that the water was dirty and poisonous if he had drunk that water he might have died.

From this story we learn that we should not take the fruits of hard work done by someone by deceit.

VIBHANSH DIXIT
CLASS VII A



Game I play

I play a game,
at night and at day.
I win or I lose
I jump and I run,
I play a game.

Prakhar Saxena ,5A

Nature

Nature is the thing ,
That we need ,me and you.
But where is it?
It's just around me and you !

How do you breathe,
To stay alive?
And do you know?
It's because of natures life!

Nature is everything,
Here and there.
But if it is gone, you will not stay alive !
So don't cut trees,
It's our need .
If it's gone, so what will we eat?

Priyansh Pandey
5A Shivaji house

Menstrual Health Matters



HELLO! MY NAME IS SHRESHTH SAXENA. I STUDY IN CLASS 8A.
I'M WRITING THIS ARTICLE TO RAISE A SERIOUS PROBLEM AND TO AWARE EVERYONE ABOUT THAT PROBLEM. THIS SERIOUS PROBLEM IS ABOUT SANITARY PADS. I WANT TO TELL ALL THE PEOPLE, WHO ARE READING MY ARTICLE THAT MANY GIRLS AND WOMEN DON'T HAVE ACCESS TO SANITARY PADS.
THOSE WHO CAN'T AFFORD SANITARY PADS USE DIRTY CLOTHES AND ASHES TO STOP THEIR MENSTRUAL FLOW, WHICH CAN BE LETHAL OR CAN LEAD TO THREATNING INFECTIONS SUCH AS BACTERIAL VAGINOSIS, YEAST INFECTION AND MANY OTHER SERIOUS INFECTIONS.
LIKE PETALS UNFOLDING WITH EACH CYCLE, ACCESS TO SANITARY PADS BLOOMS DIGNITY, HEALTH AND FREEDOM FOR GIRLS AND WOMEN. LET'S WEAVE A TAPESTRY OF GAPS AND EMPOWERING EVERY VOICE.
AT LAST, I WANT TO SAY THAT,
"LET'S REWRITE THE NARRATIVE OF MENSTRUATION- FROM STIGMA TO EMPOWERMENT. FROM SCARCITY TO ACCESSIBILITY AND FROM SILENCE TO A RESOUNDING CALL OF CHANGE.

"THANK YOU!"

NAME- SHRESHTH SAXENA, CLASS- 8A



The River's Song

A river was born on a mountain steep,
From whispered snow, in silence deep.
It trickled first, so small, so shy,
Yet dreamed of oceans beneath the sky.
It danced with rocks, it played with rain,
It knew of laughter, it knew of pain.
Through villages bright, through forests green,
It carried stories it once had seen.
It met with streams along the way,
Each one with something new to say.
Together they sang, both loud and clear,
Of fleeting time and moments dear.
At last it reached the boundless sea,
A home of calm infinity.
Though it had ended, it wasn't gone,
Its spirit lived, its song went on.
So life's a river , swift, yet kind,
A journey of heart, of soul, of mind.
We wander, we stumble, we love, we give,
And in the giving, we truly live.

Reema Gupta
XC

Ten Noteworthy UNESCO Heritage Monuments in India

1. Taj Mahal (Agra, Uttar Pradesh)

A timeless symbol of love, this white marble mausoleum was built between 1631–1648 by Emperor Shah Jahan in memory of Mumtaz Mahal. It is widely celebrated for its exquisite architecture, precision in symmetry, and incorporation of Quranic inscriptions and inlay work with precious stones.

2. Agra Fort (Agra, Uttar Pradesh)

Also inscribed in 1983 alongside the Taj Mahal, Agra Fort served as the seat of the Mughal Empire. Its towering red sandstone walls house palaces, mosques, and audience halls that reflect the zenith of Mughal architecture.

3. Ajanta Caves (Maharashtra)

Dating back over 2,000 years, these rock-cut cave monuments feature stunning frescoes and sculptures depicting Buddhist spiritual themes.

4. Ellora Caves (Maharashtra)

Another rock-cut marvel, Ellora features over 100 caves carved between the 6th and 10th centuries, spanning Buddhist, Hindu, and Jain cultures. The Kailash Temple (Cave 16) is particularly renowned as the largest single monolithic excavation globally.

5. Sun Temple, Konârak (Odisha)

Built in the 13th century, this chariot-shaped temple dedicated to the Sun God (Surya) is famed for its massive stone wheels and horse sculptures, symbolizing dynamic motion and advanced ancient engineering.

6. Group of Monuments at Hampi (Karnataka)

Once the capital of the Vijayanagara Empire, Hampi is a sprawling archaeological site with temples, palaces, and mandapas surrounded by boulder-strewn landscapes. The Vitthala Temple, with its stone chariot and musical pillars, is a highlight.

7. Group of Monuments at Mahabalipuram (Tamil Nadu)

These 7th- to 8th-century reliefs and rock temples demonstrate Pallava artistry. Notable structures include the Pancha Rathas, open-air reliefs like the "Descent of the Ganges," and the Shore Temple.

8. Pattadakal (Karnataka)

The Chalukyan temple complex in 7th–8th century north-Karnataka is admired for blending northern and southern Indian architectural styles and exemplary diversity in temple design.

9. Jantar Mantar, Jaipur (Rajasthan)

A unique astronomical observatory constructed in the early 18th century by Maharaja Sawai Jai Singh II, featuring the world's largest stone sundial and a collection of precision instruments allowing naked-eye celestial measurement.

10. Bhimbetka Rock Shelters (Madhya Pradesh)

Dating back over 30,000 years, these prehistoric rock shelters showcase Paleolithic and Mesolithic era cave paintings and evidence of early human life, art, and habitation.

Name - Aradhya Singh
Class and Section - VII A



Never Give Up

no matter what is going on
Never give up
Develop the heart
Too much energy in your
country
is spent developing the mind
instead of the heart
Develop the heart
Be compassionate
not just to your friends
but to everyone
Be compassionate
Work for peace
in your heart and in the world
Work for peace
and I say again
Never give up
No matter what is happening
No matter what is going on
around you
Never give up

Raunak Trivedi
12'C'



Our Teachers

Strict in lessons, kind at heart
You've guided us right, from the start
With patience, wisdom, care so true
We've learnt so much, because of you
A mentor, a friend, a light so bright
Thankyou Teacher, for guiding our life.

Ishita Gupta, 4A

Evolution of Indian Rupee Banknotes

As a student I have always been curious about the colourful notes that we use in our daily life. Each rupee note has its own picture, colour, and design, but very few of us know when these notes were first introduced and why some of them were stopped by the government. It is very interesting that our country once had very big notes like ₹5,000 and ₹10,000, and also very small notes like Re 1 and ₹2. Some of these notes are no longer printed, while others have changed their design many times.
Through this article, I wish to share with all my friends the journey of Indian rupee banknotes—from the oldest Re 1 note to the recently withdrawn ₹2,000 note.

₹ 1 Note:

First introduced in 1917 (to conserve silver during World War I),
Discontinued in 1926 due to cost-benefit reasons,
Reintroduced in 1940, continued until 1994 when printing ceased again, reintroduced in 2015, printed in limited numbers today.



₹2 Note:

First introduced in 1943, during the British period. Discontinued in 1926 due to coins became the main medium for this denomination.



₹5 Note:

Launched and re-designed in the Mahatma Gandhi Series in 1996,
Printing discontinued in 2011 because coins were found to be more durable. However, the already printed ₹5 notes remain legal tender and can still be used, although rarely seen today.



₹10 Note:

Issued pre-1996 under older series, Mahatma Gandhi New Series introduced in 2018; still in circulation. The note now has modern security features and a new colour, and it continues to be in circulation today.



₹20 Note:

Introduced in 1972, when smaller denominations were becoming insufficient for daily transactions. Over the years, the design of this note changed several times. In April 2019, the new Mahatma Gandhi Series ₹20 note was issued with a bright colour and updated security features.



₹50 Note:

Introduced in 1975, and gained popularity as it balanced convenience and value. In August 2017, the ₹50 note was redesigned under the Mahatma Gandhi New Series with improved security measures and a new colour scheme.



₹100 Note:

Introduced in 1935, in India under the British Raj. RBI issued new 100 rupees note in year 1950 after independence. In the year 1997, Reserve Bank of India reissued a series of new notes called Mahatma Gandhi series. In July 2018, the Reserve Bank of India issued the New Series ₹100 note with a lavender colour and updated security features.



₹500 Note:

Introduced in 1987, to meet the needs of a growing economy and to reduce the use of multiple smaller notes in large transactions.
Suddenly withdrawn during the 2016 demonetization to fight black money and counterfeit currency. Soon after, a new version of the ₹500 note was introduced and continues to be widely used today.



₹1,000 Note:

First issued in 1938 under British India but was demonetised in 1946.
Brought back in 1954 to facilitate large-value transactions.
Demonetised on November 2016 once again, and it has not been reintroduced since then.



₹2,000 Note:

Introduced in 2016 after demonetization, to quickly restore liquidity in the economy. Printing of this note stopped around 2018–19, and in 2023, the Reserve Bank of India began withdrawing it from circulation.



5,000₹ 5,000 Note and ₹10,000 Note:

India once had very high-value currency notes as well. The ₹5,000 and ₹10,000 notes were issued in 1954 to make it easier to carry large sums of money. However, due to concerns over misuse and black money, both these denominations were demonetised in 1978 and no longer exist in circulation.





Mrityunjay Patel
Class 7A

नन्हे कलाकार



Mohd Ashar 2A



Daksh 2A



Vedansh 2A



Aditi 2A



Abhay 2A



Agam 2A

BEST OUT OF WASTE

1



2



5



4



3



1. Hamd Ali 1stA
2. Fatima - 1B
3. Akshat Singh - 1B
4. Aarav Singh -1B
5. Ayushman Sharma 2B

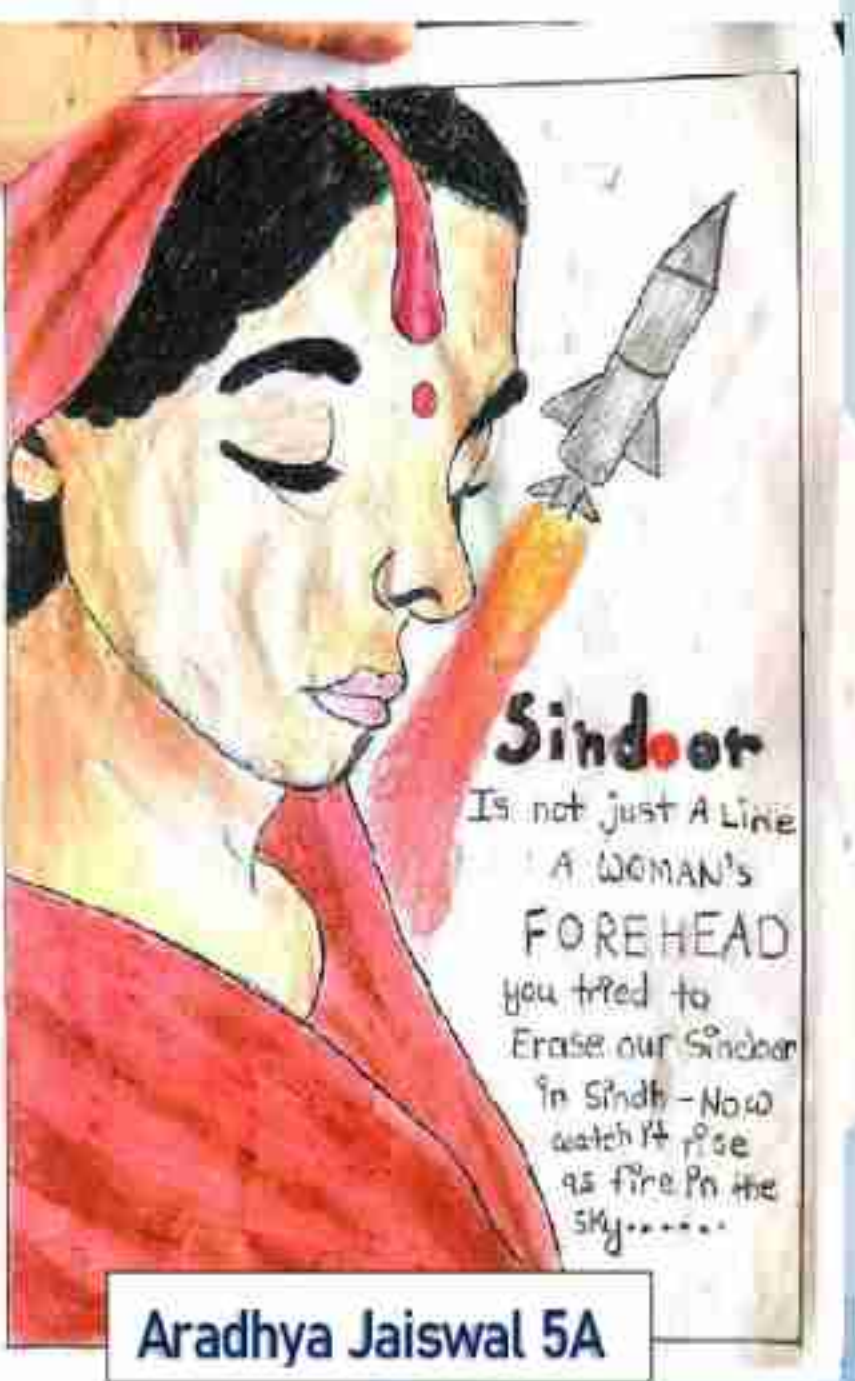


Vaishnavi Devi, 5A





Shivanshu Parashar, 5A



Aradhya Jaiswal 5A

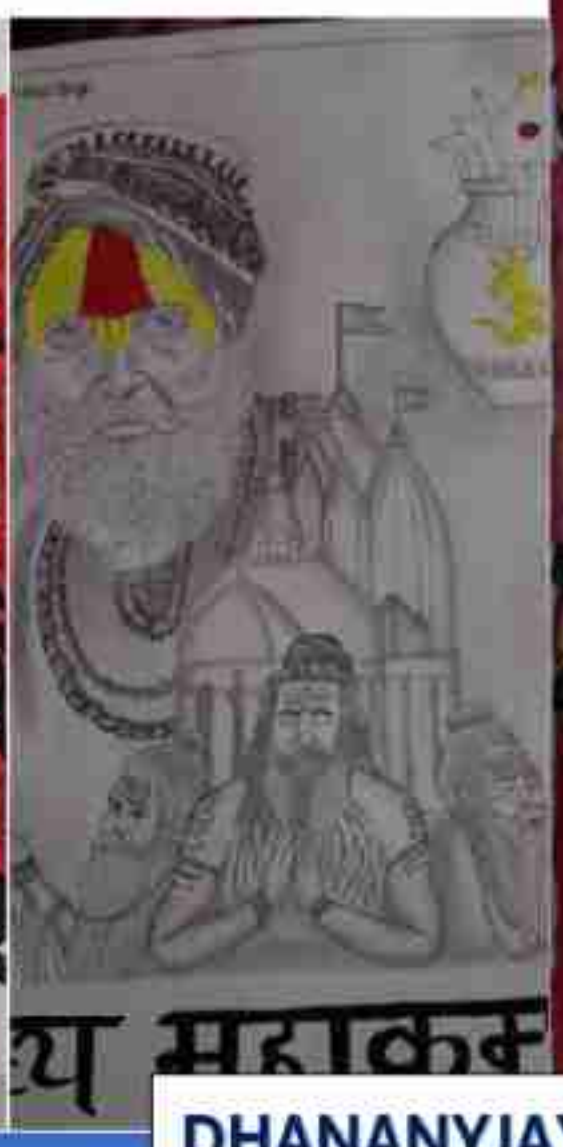
DRAWING CORNER



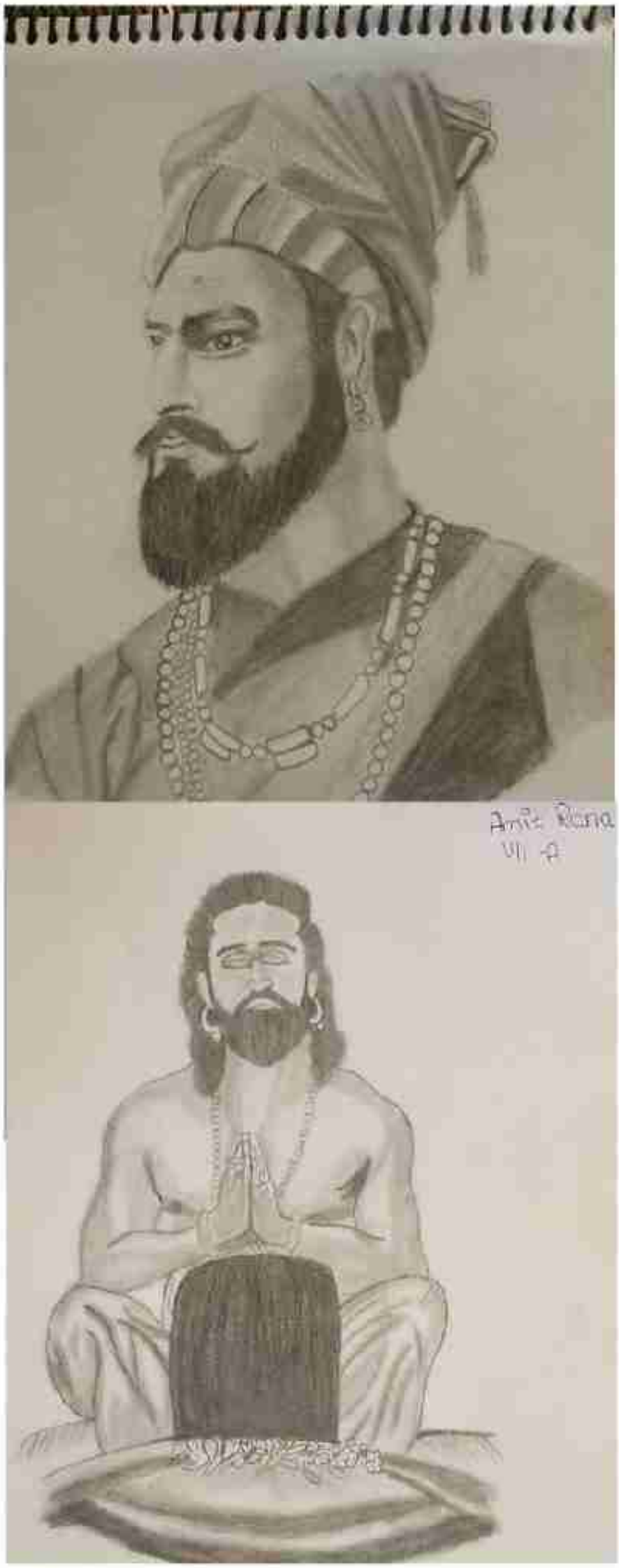








DHANANYJAY PRATAP SINGH , 7 A



AMIT RANA, VII A

NAITIKA,7A , MADHUBANI PAINTING



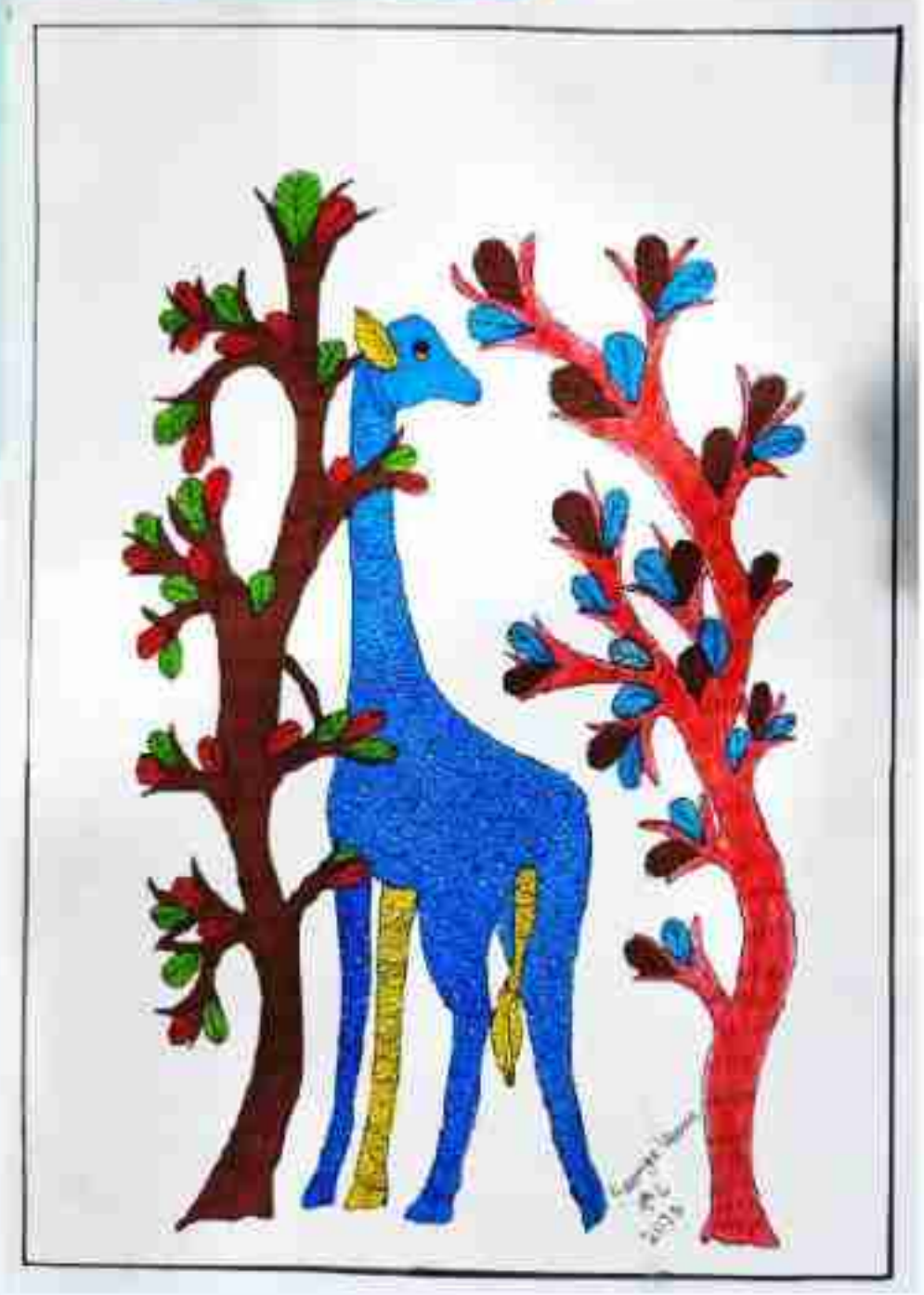
Gyanaagni, 6B,





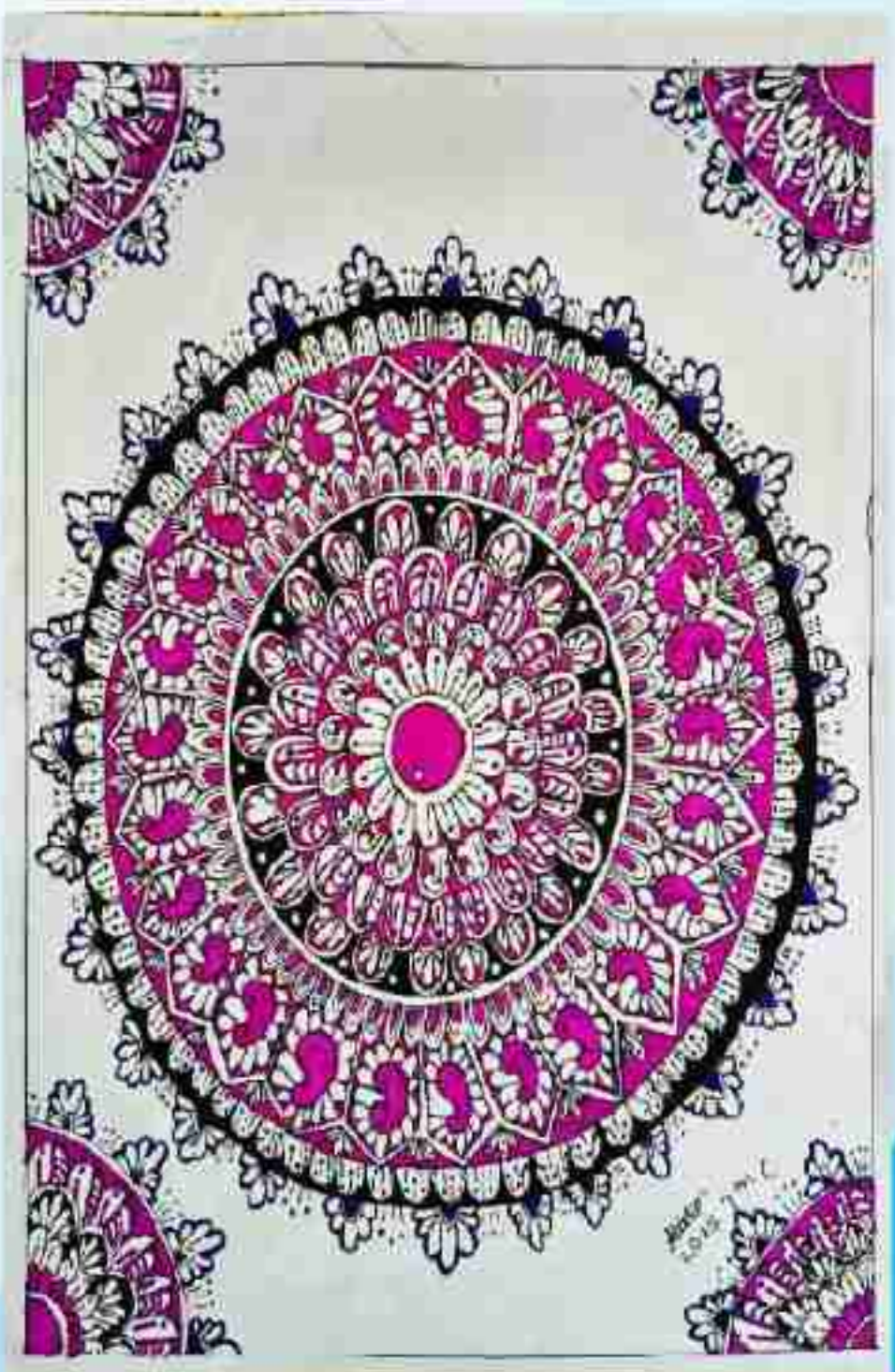


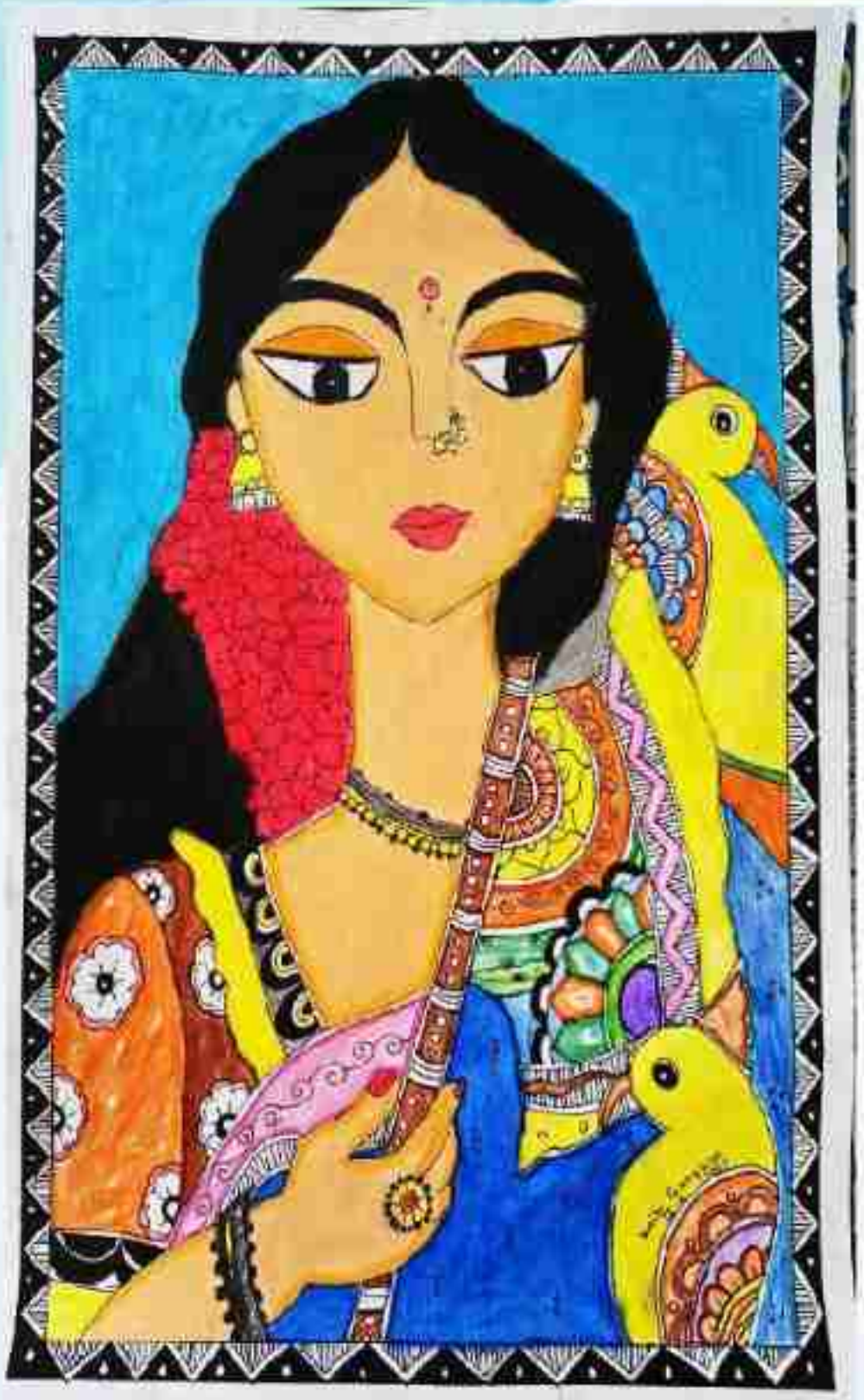


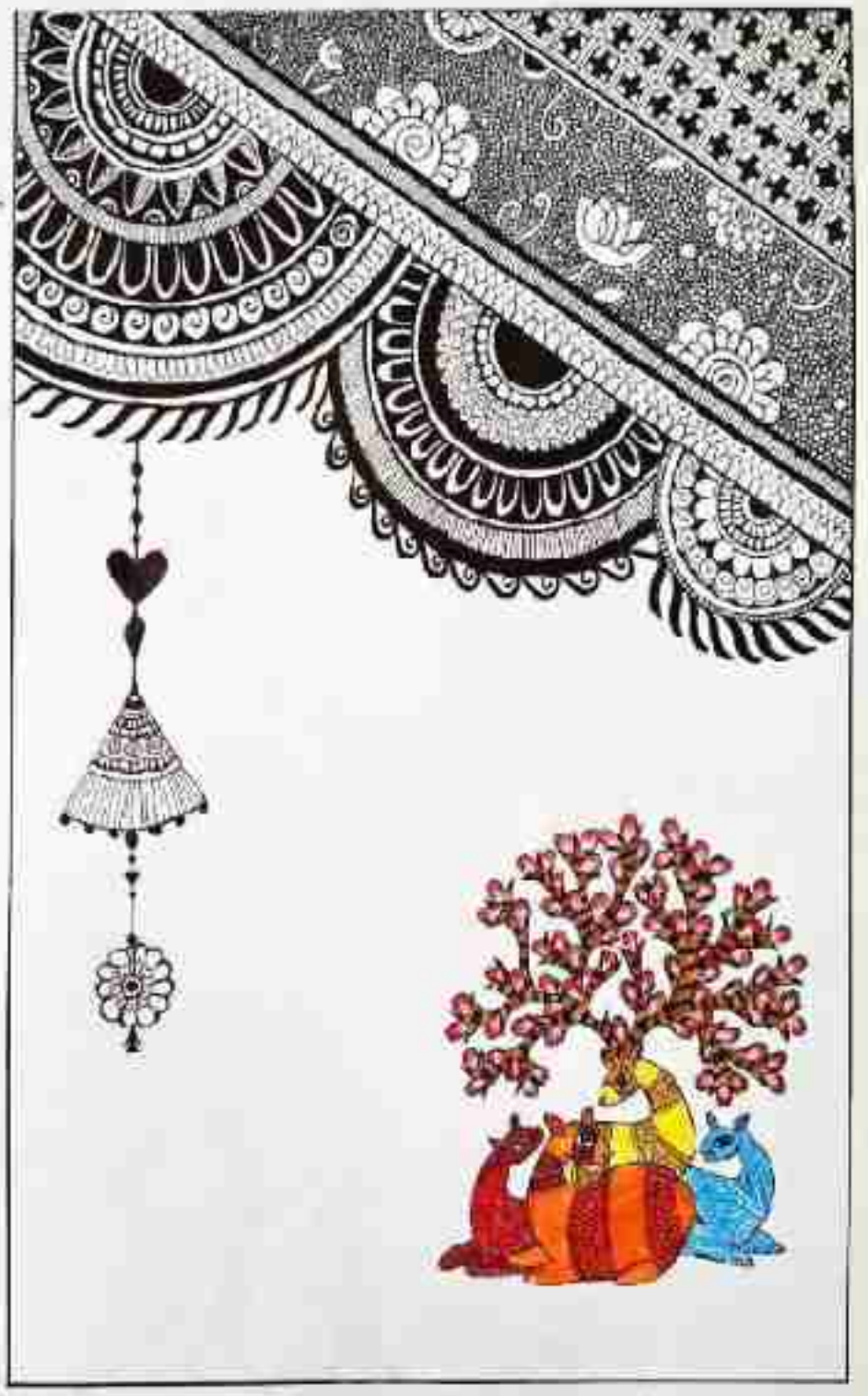































Jyanshi
classic


-B

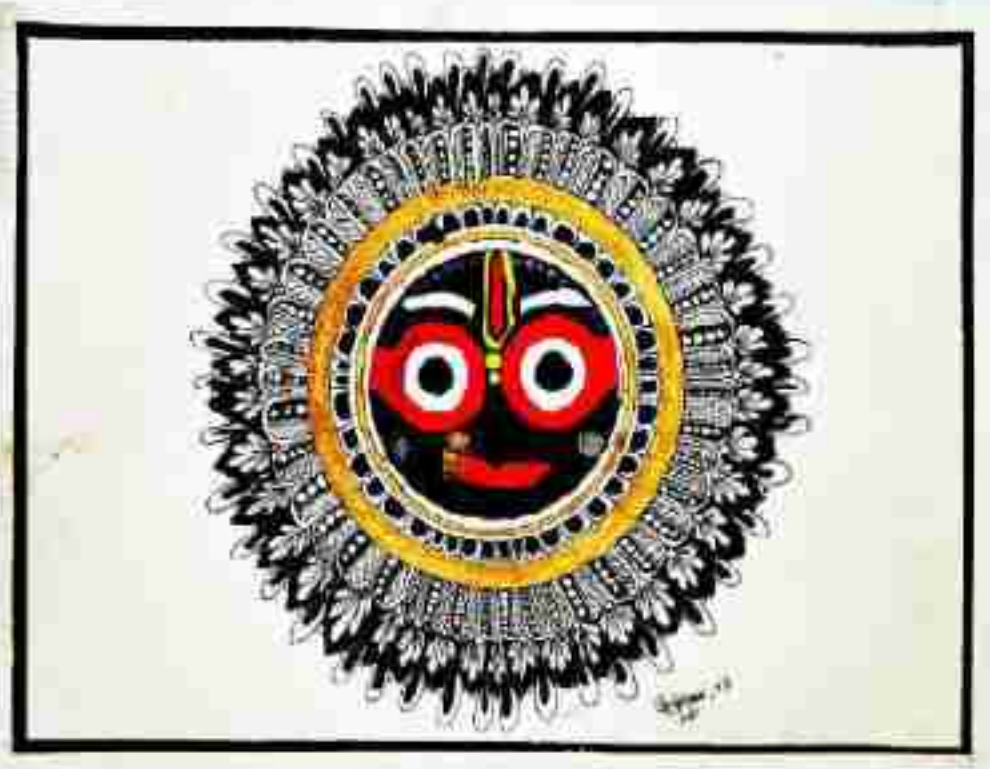






















Abhay Kumar Saxena,



Radhika Kumari Class- 3A



Devansh Singh Class- 4A

शिक्षक अनुभाग

हिंदी राजभाषा तो राष्ट्रभाषा क्यों नहीं?

बनी राजभाषा हिन्दी तो, कितना राष्ट्र सँवारा।
क्यों न राष्ट्रभाषा पद पर भी, हो अधिकार तुम्हारा?

हिन्दी है समृद्ध, श्रेष्ठ, विकसित, गतिशील सुभाषा,
है समर्थ कर रही पूर्ण, जनमानस की अभिलाषा,
सहज सरल सम्प्रेषण क्षमता, अद्‌भुत अपनापन है,
गुरुता-लाघव का नव संगम, ललित लचीलापन है;
भाषा-नभ में कहाँ मिलेगा, हिन्दी सा ध्रुवतारा।

हिन्दी भारत माँ के स्वर्णिम युग के यश की गायक,
हिन्दी विविध कला संस्कृति की, नित अविरल उन्नायक,
हिन्दी जिसने विस्तृत भारत भू को एक किया है,
हिन्दी जिसने सकल राष्ट्र माला में गूँथ दिया है;
अब तो अखिल विश्व में बहती, हिन्दी की रसधारा।

संबंधों के अनुबंधों की कुशल लेखनी हिन्दी,
नवल सर्जना, अनुसंधानों, के माथे की बिन्दी,
है व्यापक प्रसार हिन्दी का, भारत के कण-कण में,
हिन्दी बसी शांति की नगरी, और बसी हर रण में;
यही कामना हिन्दी का, गूँजे चहुँदिशि जयकारा।

राष्ट्र चिन्ह गौरव हैं, द्योतक हैं सौभाग्य उदय के,
राष्ट्रगान, ध्वज, चिन्ह, राष्ट्रभाषा प्रतीक जय-जय के,
कहाँ राष्ट्रभाषा बिन भारत राष्ट्र पूर्ण हो पाया?
भारतेंदु, गाँधी के स्वप्नों ने असीम सुख पाया?
हिन्दी बने राष्ट्रभाषा तो, फैलेगा उजियारा।

बनी राजभाषा हिन्दी तो, कितना राष्ट्र सँवारा।
क्यों न राष्ट्रभाषा पद पर भी, हो अधिकार तुम्हारा?

-सन्तोष कुमार दुबे, पीजीटी अंग्रेज़ी

सादा जीवन

सादगी एक साधना है,
श्रेष्ठतम आराधना है,
मन को जो पवित्र कर दे,
दिलों की वो कामना है।



लुप्त होती जा रही जो,
आजकल इस दौर में,
क्यूं झलकती ये न अब,
किसी नज़र की गौर में?

ओढ़ लें पर्दे जो खिड़की,
न गलत कुछ उसमें है!
कब तक रोकेंगी मगर वो,
तह तले बसते उजाले?
देर या सवेर में जो,
तय हैं होने उजियारे।।

- नलिनी शर्मा
(प्राथमिक अध्यापिका)

बच्चों की परवरिश में अभिभावक के उत्तरदायित्व

एक शिक्षक और अभिभावक होने के नाते मेरा अनुभव है कि बच्चों को बचपन से ही ऐसा वातावरण देना चाहिए, जहाँ **प्रेम, विश्वास, एकता और उदारता** का माहौल हो। यह आवश्यक नहीं कि भौतिक सुख-सुविधाएँ ही बच्चे के सीखने के लिए ज़रूरी हों, बल्कि परिवार का आपसी व्यवहार, प्रेम और विश्वास ही वास्तविक माहौल बनाते हैं।

बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं। जैसे कुम्हार सही आकार देकर मिट्टी को सुंदर रूप देता है, वैसे ही शिक्षक और अभिभावक मिलकर बच्चों को उचित दिशा दे सकते हैं। बच्चों को अच्छे संस्कार, शिष्टाचार और जीवन-जीने का सलीका औपचारिक शिक्षा शुरू होने से पहले ही सिखाना चाहिए।

मां की भूमिका बच्चे के निर्माण में विशेष होती है, परंतु परिवार के अन्य सदस्यों के आचरण, बोलचाल और रहन-सहन का भी गहरा प्रभाव पड़ता है। तनावपूर्ण माहौल बच्चे को भयभीत कर देता है, जबकि प्यार और सकारात्मकता से वह आत्मविश्वासी बनता है।

अभिभावकों को चाहिए कि वे केवल भोजन, वस्त्र और शिक्षा तक ही सीमित न रहें, बल्कि बच्चों से बातचीत करें, उन्हें घुमाएँ, कहानियाँ सुनाएँ और उनकी जिज्ञासा को शांत करें। बच्चों की हर गतिविधि पर ध्यान दें और उनके व्यवहार में आने वाले बदलाव को नज़रअंदाज़ न करें।

बच्चे अनुकरण से सीखते हैं। वे वही करते हैं जो वे घर में देखते हैं। इसलिए अभिभावकों का आचरण सबसे बड़ी शिक्षा है। बच्चों को ज़रूरी प्यार देना चाहिए, परंतु उनकी हर ज़िद पूरी करना सही नहीं है। समय रहते अनुशासन सिखाना और सही-गलत का ज्ञान देना आवश्यक है।

एक अभिभावक का सबसे बड़ा कर्तव्य है कि वह बच्चे के साथ समय बिताए, खेलें, संवाद करें और उनके व्यक्तित्व को निखारे। बच्चों को **सच्चाई, बड़ों का आदर, सादगी और नम्रता** का मूल्य समझाना चाहिए।

अभिभावकों का हृदय यदि **प्रेम, करुणा और उदारता** से भरा होगा, तो बच्चे निश्चित रूप से बेहतर इंसान बनेंगे। फूल रूपी बालक को पोषित व पल्लवित करना और उसे सही दिशा देना हर अभिभावक का उत्तरदायित्व है। तभी उसकी सुगंध पूरे समाज में फैलेगी।

- शाहिदा मंज़ूर,
(टीजीटी अंग्रेजी)

बाबा, तुम बरगद सरीखे



बाबा, तुम बरगद सरीखे,
तुम्हारे काँधों पर घूमी हूँ मैं,
यूँ शाख बनी तुम्हारी बाहें,
उन्हें पकड़कर झूली हूँ मैं।

बाबा, तुम बरगद सरीखे,
नहीं बसेरा मेरा उस पर,
औरों ने भी आसरा पाया।
जिस आँगन में हम खिले,
उसको तुमने मजबूत बनाया।
क्योंकि—
बाबा, तुम हो बरगद सरीखे

नहीं शिकन थी कभी थकान,
हर वक्त मुस्कुराता चेहरा पाया।
स्वयं रहकर भूखे पेट,
हमको हर स्वाद चखाया।
क्योंकि—
बाबा, तुम हो बरगद सरीखे,

हमको अभावों का एहसास नहीं था,
हर पल श्रेष्ठ ही पाया।
स्वयं रहकर एक जोड़े में,
हमको हर त्योहार मनवाया।
क्योंकि—
बाबा, तुम हो बरगद सरीखे।

मात-पिता सा अनमोल जीवन,
जिसने भी इस जग में पाया।
प्रभु-मूरत को देखे बिना ही,
तुमने प्रभु का आलिंगन करवाया।

-मीना कनौजिया , मुख्याधापिका



सायबर अपराध / Cyber Crime – जागरूकता



आज के डिजिटल युग में इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न प्रकार के सायबर अपराध (Cyber Crimes) हमारे चारों ओर फैले हुए हैं। इनके प्रति जागरूक रहना ही बचाव का सबसे बड़ा साधन है।

प्रमुख सायवर अपराध

1. Cyber Fraud (साइबर धोखाधड़ी) – बैंक अकाउंट, ATM, ऑनलाइन बैंकिंग या ई-वॉलेट से धोखे से पैसे निकालना।
2. Online Gambling (ऑनलाइन जुआ/सट्टा) – ऑनलाइन कैसिनो, चांस गेम्स के माध्यम से रुपये का लेन-देन।
3. Intellectual Property Crime (बौद्धिक सम्पदा की चोरी) – कॉपीराइट, किताब, टाइटल, पेटेंट या कंटेंट चुराकर उपयोग करना।
4. Cyber Spoofing (नकली पहचान का प्रयोग) – नकली फोन कॉल, ईमेल या संदेश से लोगों को ठगना।
5. Cyber Forgery (दस्तावेज़/पहचान की जालसाजी) – फर्जी दस्तावेज़ या डेटा बनाकर धोखाधड़ी करना।
6. Cyber Defamation (मानहानि) – किसी व्यक्ति/धर्म/जाति/समाज/संगठन की प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचाना।
7. Cyber Stalking (ऑनलाइन पीछा/ब्लैकमेल) – किसी की निजी जानकारी, फोटो या वीडियो का अनुचित प्रयोग करना।
8. Cyber Identity Theft (पहचान की चोरी) – नकली सोशल मीडिया ID बनाकर या बैंक अकाउंट की जानकारी चुराकर उपयोग करना।
9. Honey Trap / Sextortion – विश्वास में लेकर फँसाना और ब्लैकमेल करना।
10. Pornography – अश्लील सामग्री बनाना, अपलोड करना या साझा करना अपराध है।
11. Sale of Illegal Articles – ऑनलाइन नशीले पदार्थ, हथियार या वन्यजीवों का विक्रय करना।
12. Cyber Phishing – लालच या धोखे से महत्वपूर्ण जानकारी (पासवर्ड, OTP) निकलवाना।
13. Cyber Hacking – बिना अनुमति किसी के कंप्यूटर/नेटवर्क/सिस्टम को नियंत्रित करना।
14. Cyber Cracking – किसी का पासवर्ड/पिन चोरी करके उपयोग करना।
15. Cyber Bullying – इंटरनेट पर धमकियाँ देना, मज़ाक उड़ाना या शर्मिंदा करना।



कानूनी प्रावधान

उपर्युक्त अपराधों में लिप्त पाए जाने पर विभिन्न I.T एक्ट के तहत 3 से 10 वर्ष तक की सज़ा तथा आर्थिक दंड का प्रावधान है।

सावधानी एवं शिकायत

- स्वयं को अपराधी या पीड़ित बनने से बचाएँ।
- यदि आप सायबर अपराध के शिकार हैं, तो **1930** डायल करें या अपनी शिकायत https://cybercrime.gov.in पर दर्ज करें।



-Pravesh Shukla

Computer Instructor

भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)

आज की दुनिया तेजी से तकनीकी बदलावों के दौर से गुजर रही है। इन्हीं बदलावों में सबसे महत्वपूर्ण और चर्चित आविष्कार है – कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence – AI)। यह ऐसी तकनीक है, जिसमें मशीनें और कंप्यूटर इंसानों की तरह सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता प्राप्त कर रहे हैं।

वर्तमान में AI का उपयोग

आज हम AI को अपने दैनिक जीवन में अनेक रूपों में देख रहे हैं –



- मोबाइल फ़ोन में वॉइस असिस्टेंट (Siri, Alexa, Google Assistant)।
- ऑनलाइन शिक्षा में स्मार्ट टूल्स।
- स्वास्थ्य क्षेत्र में बीमारियों की पहचान और इलाज में सहायता।
- बैंकिंग और ऑनलाइन सुरक्षा में धोखाधड़ी रोकने के लिए।
- परिवहन में ड्राइवरलेस कार और ट्रैफ़िक प्रबंधन।

भविष्य में AI की संभावनाएँ

आने वाले समय में AI हमारे जीवन को और अधिक सरल और सुरक्षित बनाने में मदद करेगा।

- शिक्षा में हर बच्चे के स्तर के अनुसार व्यक्तिगत अध्ययन सामग्री उपलब्ध होगी।
- चिकित्सा में रोबोटिक सर्जरी और समय से पहले रोग की पहचान संभव होगी।
- कृषि क्षेत्र में स्मार्ट तकनीक किसानों को बेहतर उत्पादन दिलाएगी।
- उद्योगों में AI आधारित मशीनें मानव श्रम को आसान बनाएंगी।
- अंतरिक्ष अनुसंधान और रक्षा क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त होंगी।



-Sourabh Tripathi
Computer Instructor

दिव्या सक्सेना , कला शिक्षिका

विद्यालयी गतिविधियाँ

विद्या प्रवेश








CLA ACTIVITIES







FAMILY PHOTO COLLAGE MAKING



ACTIVITIES








Class- I

Poem recitation



MEMORIES 007-159 CAM100H 148 20.

Reading Time

MEMORIES 007-159 CAM100H 148 20.

EAR BUD PAINTING



Finger printing



























Playing with patterns



Jadui Pitara














बूझो तो जाने ??


बूझो तो जाने ??


बूझो तो जाने ??









Frog race 🐸





Simon says...









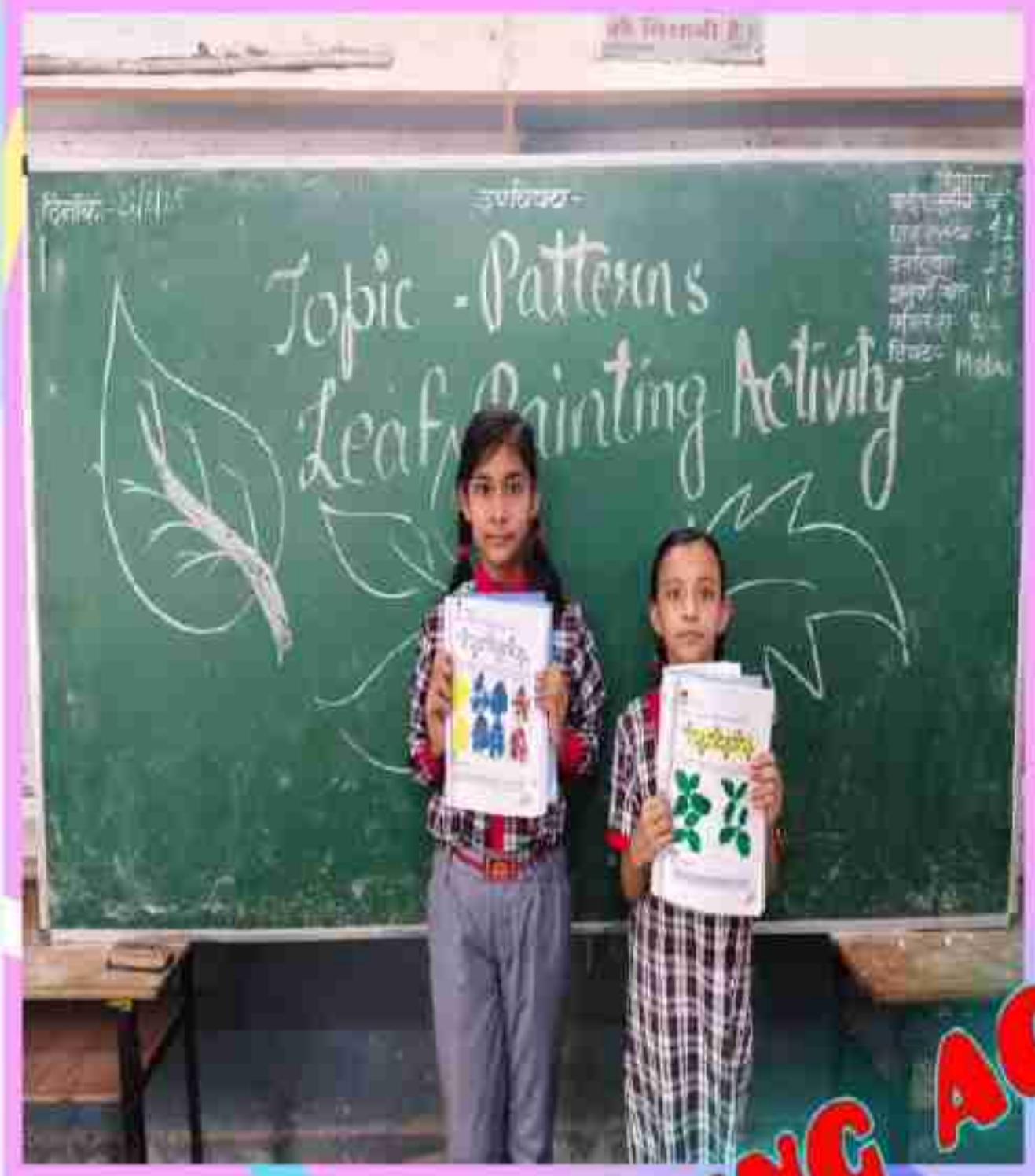
Playing with patterns







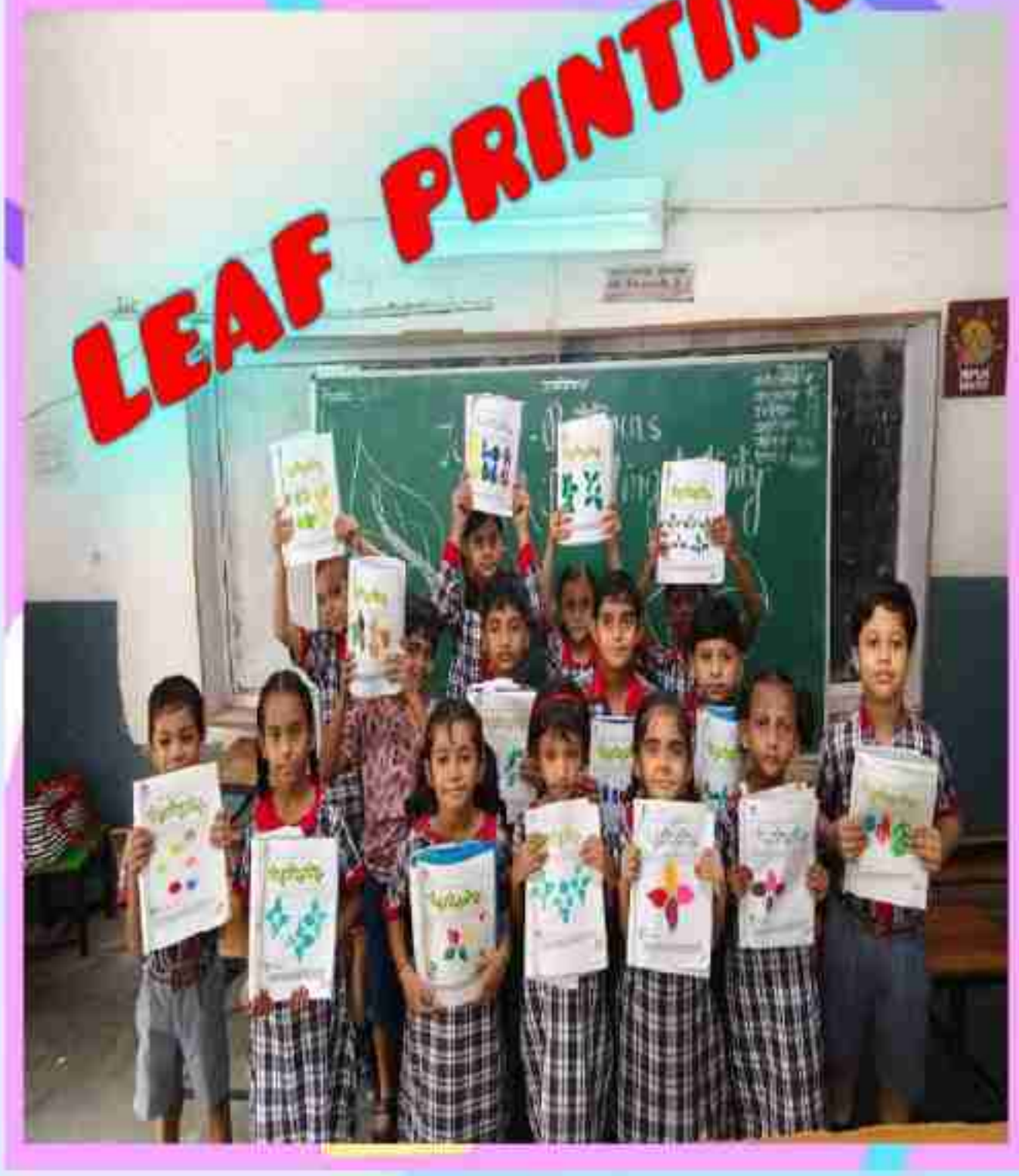






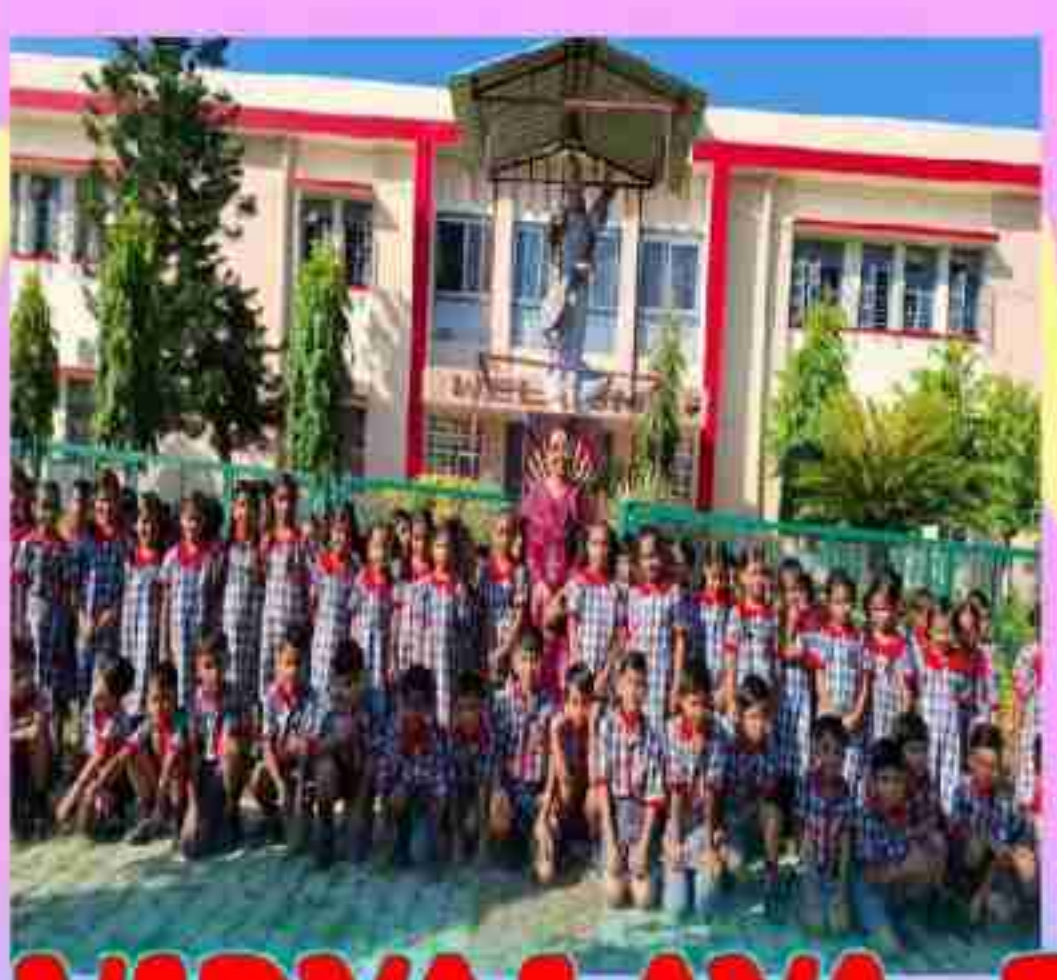


LEAF PRINTING ACTIVITY





LEAF PASTING ACTIVITY





VIDYALAYA TOUR





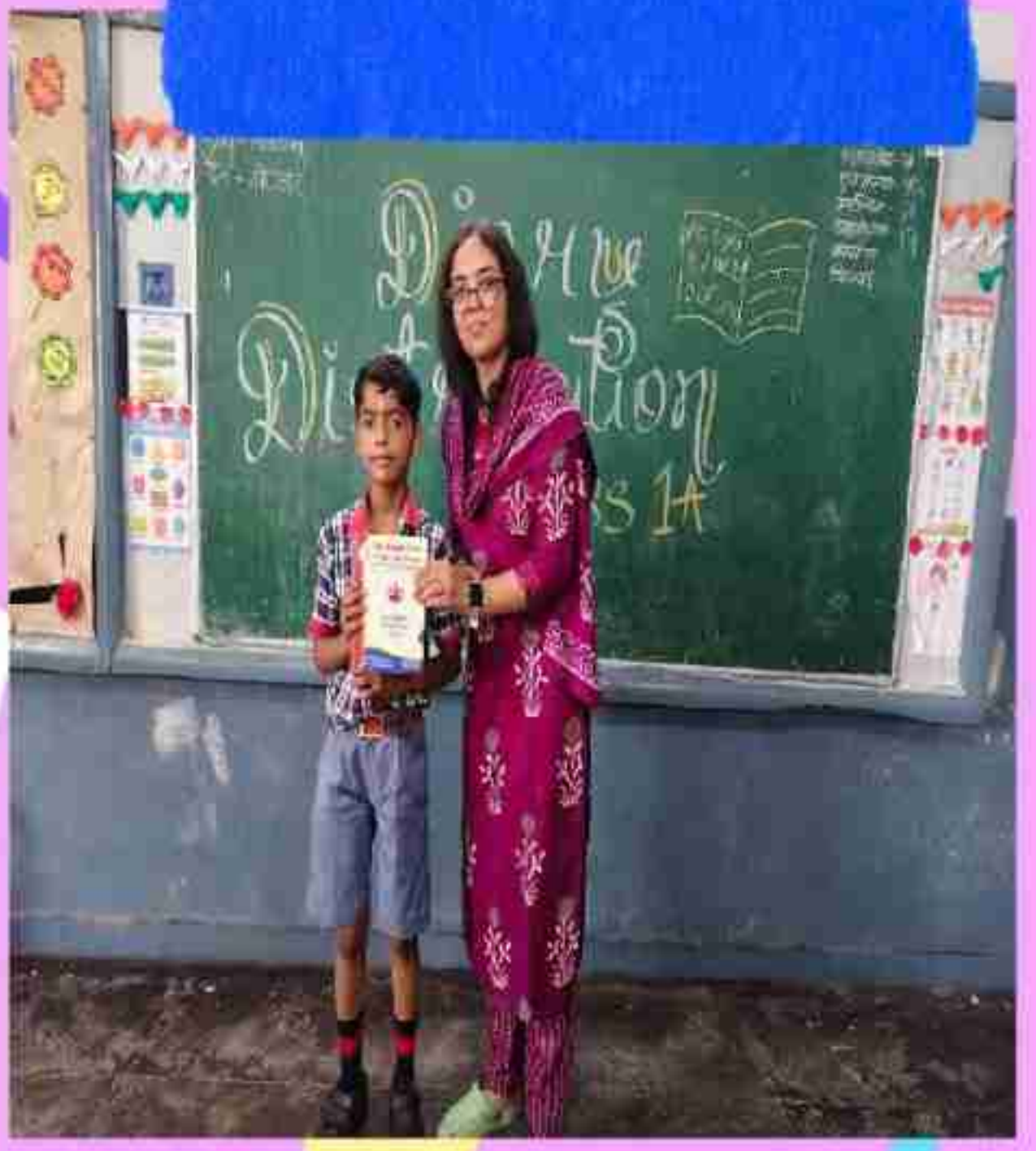


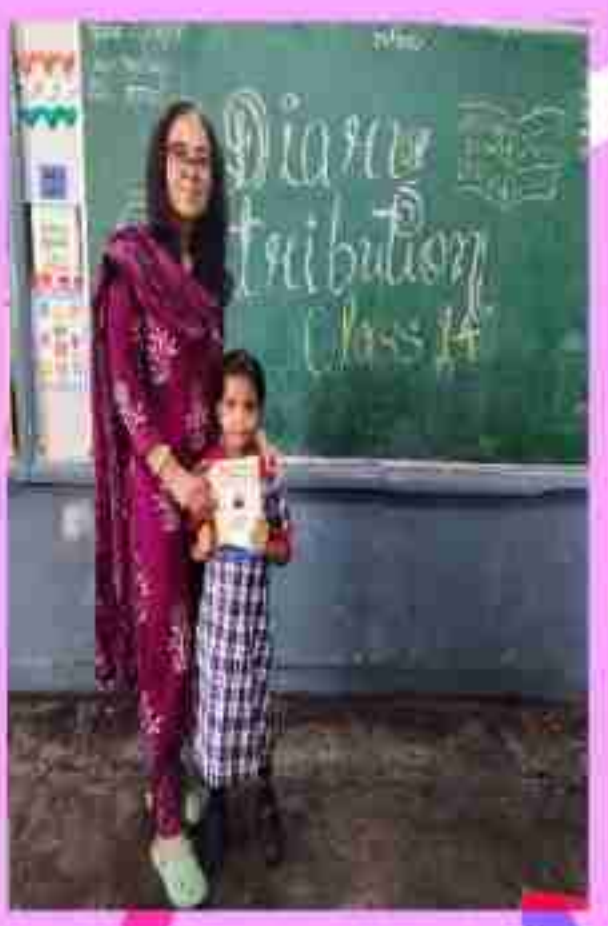




DIARY DISTRIBUTION











Paper bag making competition









HEIGHT WEIGHT RECORD









HINDI CALLIGRAPHY



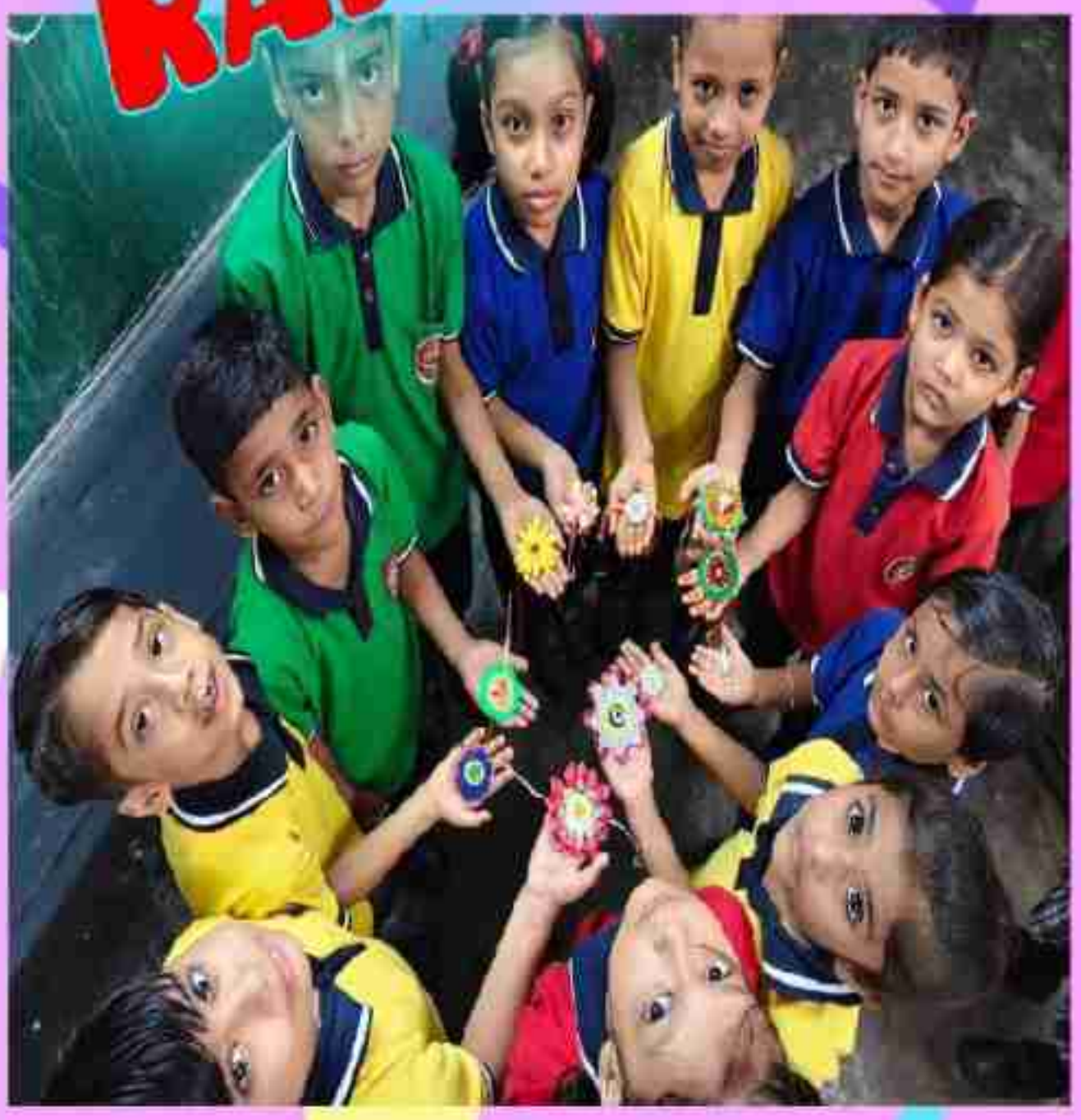






RAKHI MAKING











Paper bag making competition







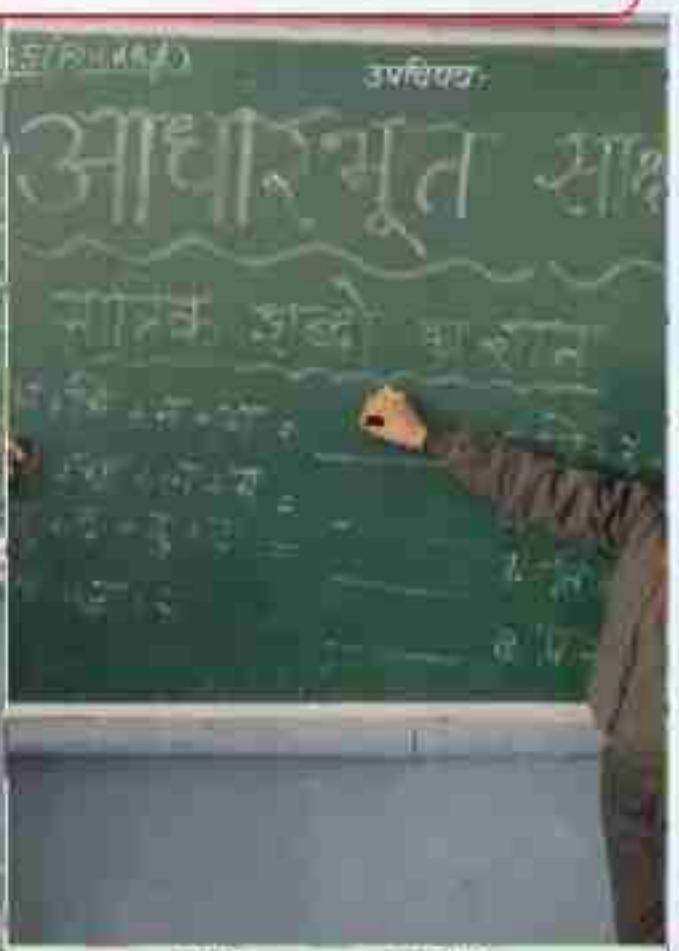


LEAF PASTING ACTIVITY

Foundational Literacy and Numeracy

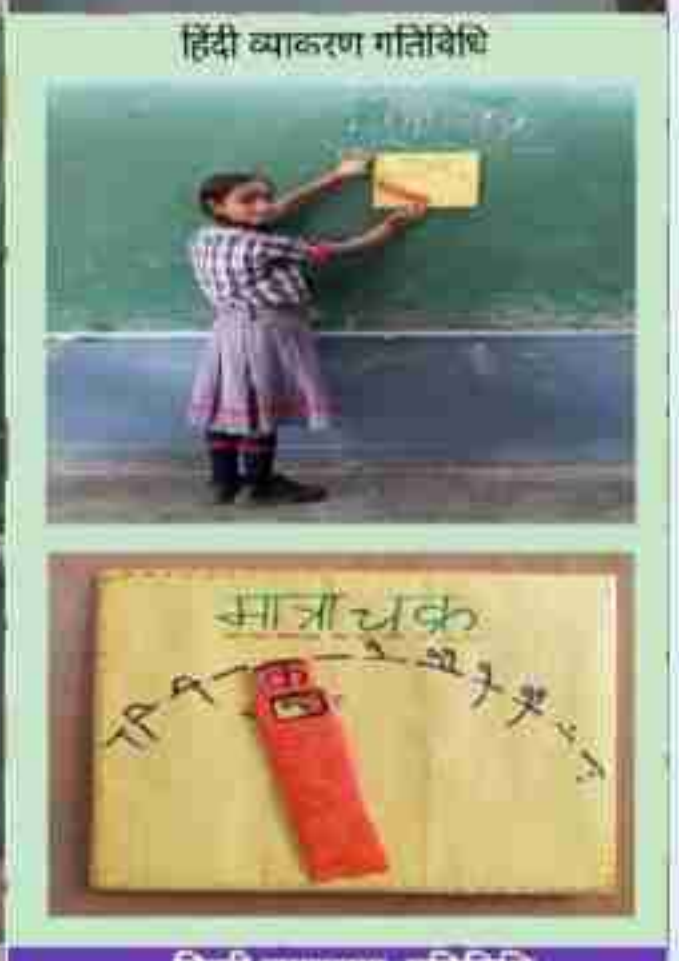




















OUR VIDYALAYA IN NEWS

विद्यार्थियों ने सीखीं कौशल विकास की बारीकियां



केंद्रीय विद्यालय-दो में पॉट मेकिंग का प्रशिक्षण लेते छात्र-छात्रा। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

• केवी-2 में नई शिक्षा नीति के तहत दिया स्टॉमिलपॉटिंग प्रशिक्षण

अमृत विचार : पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय-दो में शनिवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रत्येक सत्र में 10 बैग रहित कार्य दिवसों के क्रम में व्यावसायिक शिक्षा पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को शैक्षिक क्रियाकलापों के अंतर्गत कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया गया।

अभिषेक वर्ग के विद्यार्थियों को प्रशिक्षक राजकुमार, विवेक सक्सेना और अनुभा ने स्टॉमिलपॉटिंग, मल्टीफंक्शन लिनकमिंग लाइट तथा टैराकोटा पॉट मेकिंग करने का प्रशिक्षण दिया। इससे पहले प्रधानाचार्य परवेज हुसैन ने कार्यक्रम को शुरुआत की। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत परिकल्पित पूर्व व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को कुशल नागरिक बनाना है, जो जीवन की हर परिस्थिति में अपना समायोजन कर सके। विद्यार्थियों को विद्यालय से बाहर की दुनिया से परिचित कराने और उन्हें व्यावसायिक या तकनीकी शिक्षा कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए तैयार करना महत्वपूर्ण कार्य है। उप प्रधानाचार्य मुनेंद्र पाल के संचालन में विजय पाल, रश्मि सिद्धार्थ, नीरू शर्मा, प्रशांत कुमार आदि का सहयोग रहा।

टेराकोटा पॉट तैयार करने का दिया प्रशिक्षण

शाहजहांपुर। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक दो (अंशोधक) में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित प्रत्येक सत्र में 10 बैग रहित कार्य दिवसों के तहत पूर्व व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके तहत कक्षा नौवीं वर्ग के विद्यार्थियों को प्रशिक्षक राजकुमार, विवेक सक्सेना एवं अनुभा ने कौशल विकास के लिए स्टॉमिल पॉटिंग, मल्टीपर्पज टिलनकिंग लाइटें और टैराकोटा पॉट तैयार करने का प्रशिक्षण दिया। इससे पहले प्रधानाचार्य परवेज हुसैन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत परिकल्पित पूर्व व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम की जानकारी दी। कार्यक्रम की समीक्षा और इसका संचालन उप प्रधानाचार्य मुनेंद्र पाल ने किया। कहा कि व्यावसायिक शिक्षा छात्रों के व्यक्तित्व और कौशलों का विकास करने में मदद करती है।

नई शिक्षा नीति लागू होने से केंद्रीय विद्यालयों में हुआ सुधार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

• केंद्रीय विद्यालय-दो में शिक्षण सामग्री दिवस प्रदर्शनी लगी

अमृत विचार : केंद्रीय विद्यालय-दो में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को चौथी वर्षगांठ पर सप्ताहिक कार्यक्रम शुरू किए गए। पहले दिन शिक्षण सामग्री दिवस (टीएलएम डे) के रूप में मनाया गया। इस मौके पर शिक्षकों ने शिक्षण संबंधी उपयोगी टीएलएम बनाकर प्रदर्शनी लगाई।

शिक्षा सप्ताह का शुभारंभ प्रधानाचार्य परवेज हुसैन ने दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रधानाचार्य ने कहा कि नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद केंद्रीय विद्यालयों में शिक्षा के स्तर में काफी सुधार आया है। विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं। टीएलएम प्रदर्शनी देखने के लिए बड़ी संख्या में अभिभावक भी पहुंचे और उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन कर शिक्षकों के प्रयासों की सराहना भी की। चार वर्गों में लगी प्रदर्शनी में सभी विषयों के शिक्षकों ने शिक्षण सहायक सामग्री का प्रदर्शित की। उप प्रधानाचार्य एवं कार्यक्रम संयोजक मुनेंद्र पाल ने सप्ताहिक कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों के बारे में अवगत कराया। इस मौके पर मेडम कन्वीनर के संचालन में चले कार्यक्रम में दूसरी पाली के उप प्रधानाचार्य कन्हैया सिंह, विजय पाल, रश्मि सिद्धार्थ, मोहम्मद हसीम, रूप सिंह यादव, जगदीश शरण, विरजपाल सागर, दीपक शुक्ल आदि शिक्षकों का सहयोग रहा।

केवी-2 में उद्यमियों से बच्चों का संवाद

शाहजहांपुर, अमृत विचार: केंद्रीय विद्यालय-दो में शिक्षा सप्ताह के पांचवे दिन शुक्रवार को प्रोफेशनल्स और उद्यमियों के मध्य संवाद नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोपीजी स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने छात्र-छात्राओं को अपने व्यवसाय से संबंधित जानकारी दी। समूह अध्यक्ष गीता गुप्ता ने बताया कि उनका समूह मसालों को आधुनिक तकनीक से तैयार करता है तथा स्वयं इसका प्रचार-प्रसार कर दुकानदारों को उपलब्ध कराता है।

पिछले चार वर्षों से समूह सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। इस दौरान कॉमर्स के छात्रों ने कौशल का अभ्यास भी लिया। कार्यक्रम में रेनू मिश्रा, प्रीती दीक्षी, शिक्षक दीपक शुक्ला, रूप सिंह यादव आदि मौजूद रहे।



onstration of Soil Testing



Collaboration with Local Small industry professionals to conduct seminars, practical demonstrations



Collaboration with professionals of nearby departments to conduct seminars, practical demonstrations of skills.



Collaboration with professionals of nearby departments to conduct seminars, practical demonstrations of skills.



Career Awareness Program on Company Secretary course by the Institute of Company Secretaries of India (ICSI)

VISIT OF THE HON'BLE DEPUTY COMMISSIONER









BHARAT SCOUT GUIDE RAJYA PURASKAR TESTING CAMP

LUCKNOW REGION -2025



















VIDYALAYA ASSEMBLY













CLA ACTIVITIES









Activities under PVEP











Terracotta pot making trainin



Stencil Painting on wall by



Multicolor flickering light m



Terracotta pot making trainin



Rice plantation during mon

BHARTIY BHASHA SUMMER CAMP













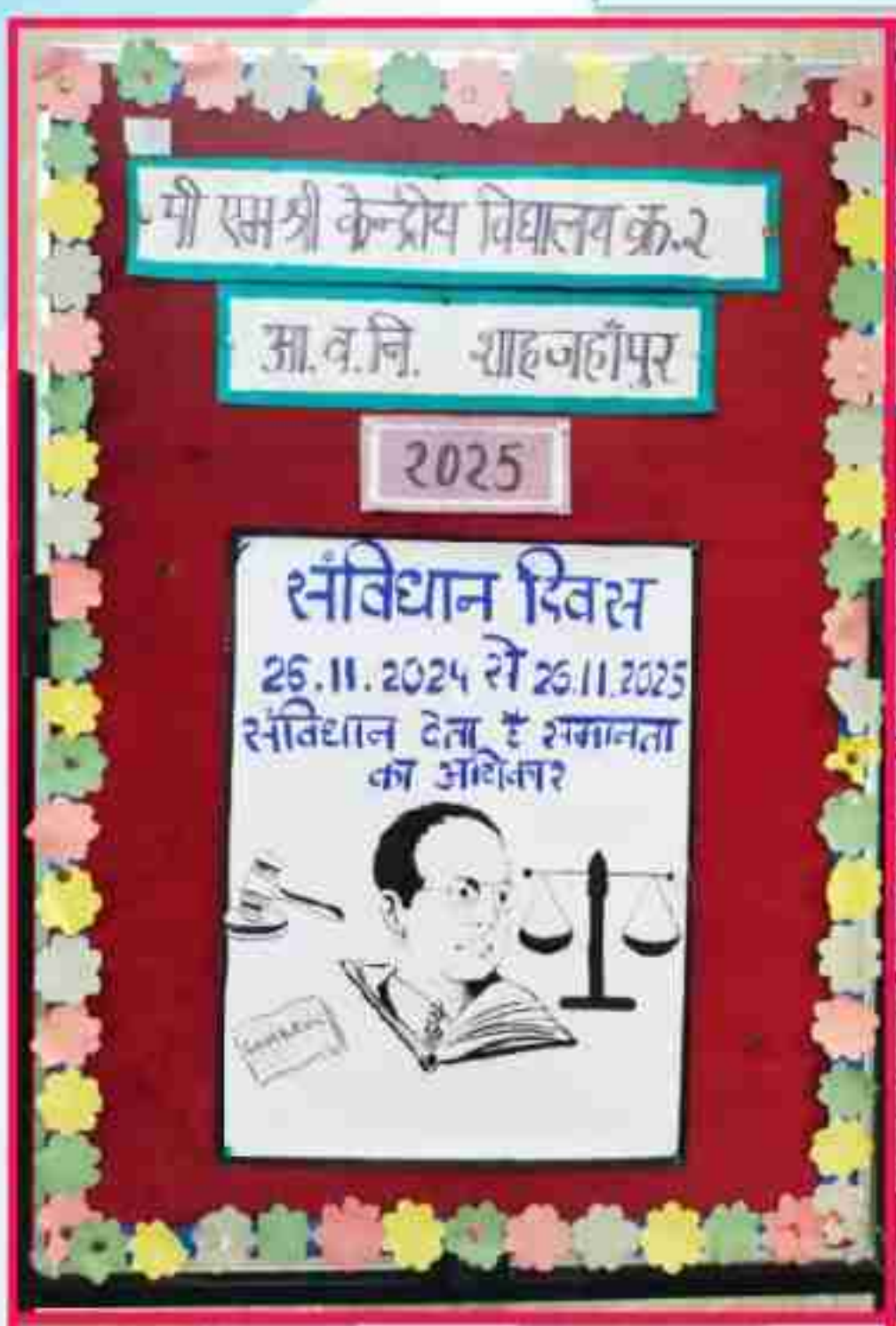




CRITICAL THINKING UNDER CLA



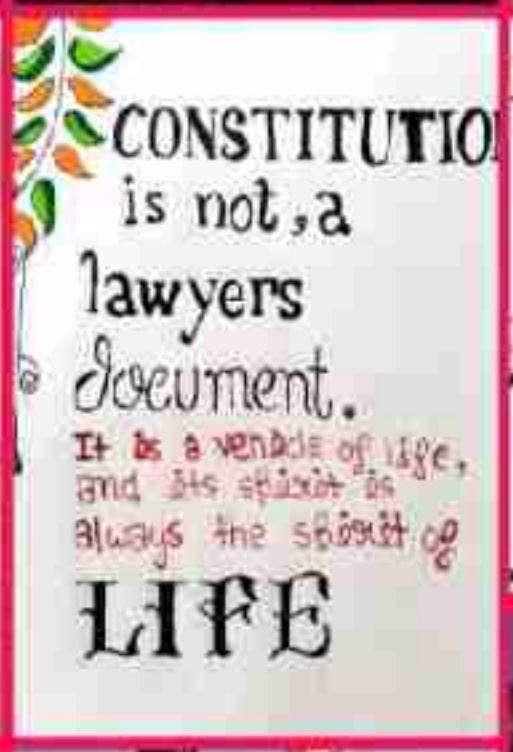
Constitution Day





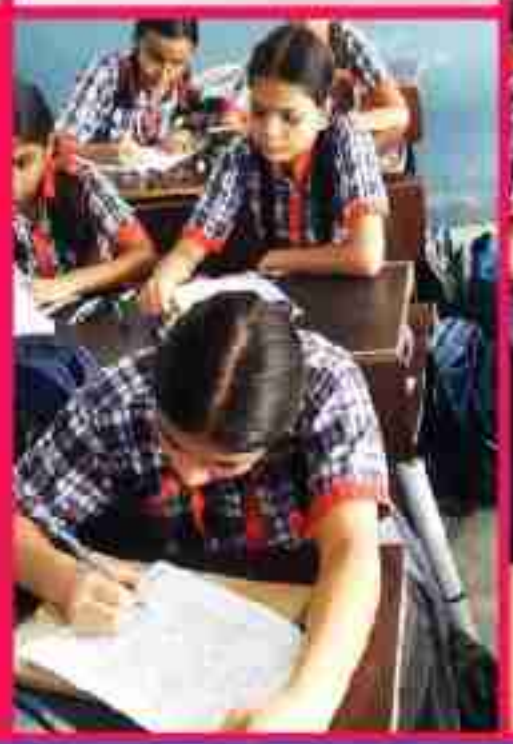














Diphtheria Vaccination









Drug Abuse



PLANTATION



ECO CLUB



GUEST TALK





ANVESHIKA PHYSICS BHARAT YATRA

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस



क्षेत्रीय खेल



तिरंगा प्रभात रैली



INDEPENDENCE DAY CELEBRATION



राष्ट्रीय खेल दिवस



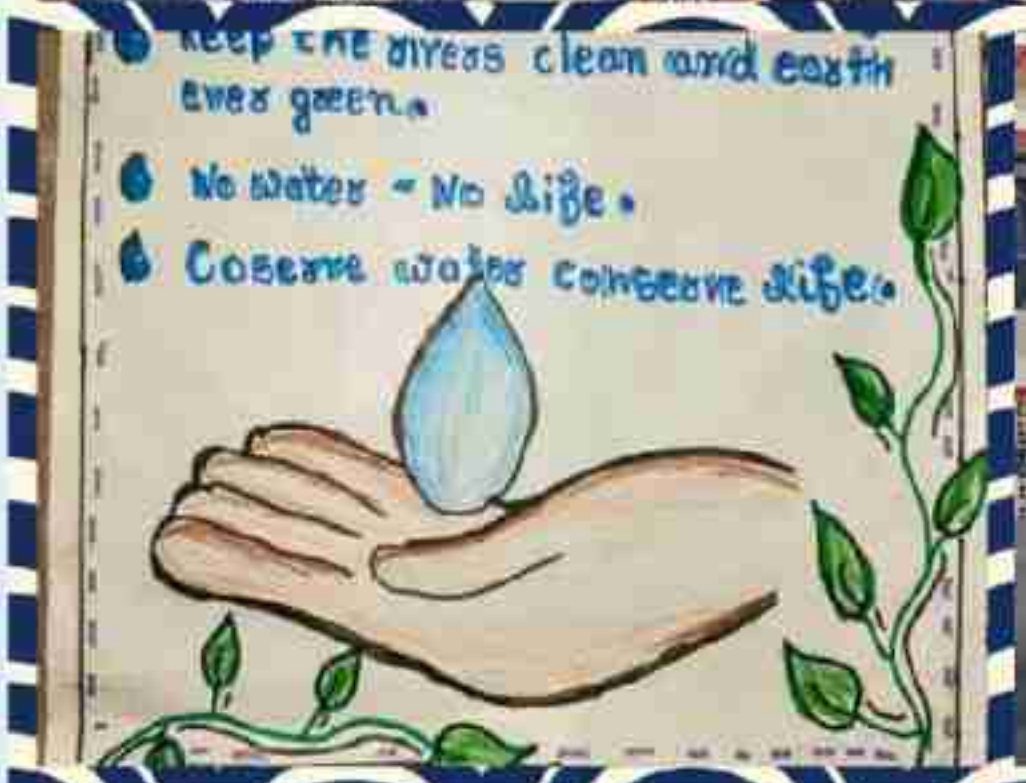
जल संरक्षण






केन्द्रीय विद्यालय क्र.2 आ.व.नि. शाहजहाँपुर
DRIYA VIDYALAYA No.-2 O.C.F. SHAHJAHA




Keep the rivers clean and earth
ever green.
No water - No life.
Conserve water conserve life.







STEM



SCIENCE CLUB



MEGA TINKERING DAY







Ek Bharat Shreshtha Bharat



NEP 5TH YEAR CELEBRATION





Oil Reduction in Diet





Awareness Session on POCSO



INVESTITURE CEREMONY

TEACHERS DAY



हिंदी पखवाड़ा



Company secretary workshop



स्वच्छता पखवाड़ा



Editorial Board

S.N.	Stage / Section	Name of Contributors
1	Foundational (Class I–II)	Mrs. Suman Ujjanwal Ms. Surbhi Rajput
2	Preparatory (Class III–V)	Mr. Kishor Kumar Mrs. Nalini Sharma
3	Middle (Class VI–VIII)	Ms. Subhasini Prakash Mrs. Shalu Mr. Veer Pal Ms. Jyoti Devi Ms. Kritika
4	Secondary (Class IX–XII)	Mrs. Shahida Manzoor Mr. Dhoom Singh Mr. Jitender Chopra Mr. Jeetendra Kumar Verma
5	Technical Support	Mr. Pravesh Shukla Mr. Sourabh Tripathi
6	Highlights of School Activities and Achievements	Mrs. Rashmi Siddharth Mr. Vijay Pal
7	**Chief Editor**	**Mr. Santosh Kumar Dubey**


thank you
Designed and edited by –
Pravesh Shukla
Computer Instructor- Shift-1